दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 285/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

भोपाल, सोमवार 26 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

dainiksandhyaprakash.in

वडोदरा में एक किलोमीटर लंबा रोड शो निकाला

पीएम मोदी ने दाहोद में 9000 हॉर्स पावर इंजन का लोकार्पण किया

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार और मंगलवार को गुजरात दौरे पर हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद राज्य में यह उनका पहला दौरा है। वे पहले वडोदरा पहुंचे। यहां रोड शो किया। फिर दाहोद में पीएम ने 9000 हॉर्स पावर इंजन का लोकार्पण किया। पीएम मोदी सुबह करीब 10 बजे वडोदरा एयरपोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने एयरपोर्ट से एयरफोर्स गेट तक एक किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इसे सिंदूर सम्मान यात्रा का नाम दिया गया। रोड शो में पीएम मोदी को देखने के लिए सड़क के दोनों तरफ लोगों की

भीड़ उमड़ी थी। इसमें ऑपरेशन सिंदूर पर विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाली भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी का परिवार भी मौजूद रहा। पीएम मोदी का रोड शो करीब 10 मिनट चला। इस दौरान प्रधानमंत्री कहीं भी रुके नहीं। वे वडोदरा से दाहोद के लिए निकल गए हैं। दाहोद में पीएम ने 9000 हॉर्स पावर इंजन का लोकार्पण किया। उनकी जनसभा हुई। दोपहर में प्रधानमंत्री भुज और अहमदाबाद पहुंचे। भुज में प्रधानमंत्री 53,400 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की कई प्रोजेक्ट्स की आधारशिला और लोकार्पण करेंगे। इसमें तापी का अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट यूनिट भी शामिल हैं। इसके अलावा कई सड़क, जल और सोलर प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

देश ने दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दाहोद में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देश की प्रगति और अपने कार्यकाल के 11 वर्षों की उपलब्धियों को बताया। पीएम मोदी ने कहा, आज 26 मई का दिन है। 2014 में आज के ही दिन मैंने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। गुजरात के आप सभी लोगों ने मुझे भरपूर आशीर्वाद दिया और बाद में देश के कोटि-कोटि जनों ने भी मुझे आशीर्वाद देने में कोई कमी नहीं रखी। पीएम मोदी ने कहा कि जनता के आशीर्वाद की शक्ति से वे दिन-रात देशवासियों की सेवा में जुटे रहे। पीएम ने जोर देकर कहा, इन वर्षों में देश ने वो फैसले लिए जो अकल्पनीय और अभूतपूर्व हैं। देश ने दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़ा है और हर सेक्टर में आगे बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने देश के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा, आज देश निराशा के अंधकार से निकलकर विश्वास के उजाले में तिरंगा फहरा रहा है।

सोफिया कुरैशी के परिवार ने की पुष्प वर्षा

वडोदरा में भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के परिवार के सदस्यों ने प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो के दौरान पुष्प वर्षा की। गुजरात की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी राज्य में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। कर्नल सोफिया कुरैशी के भाई मोहम्मद संजय कुरैशी ने कहा, प्रधानमंत्री को आमने-सामने देखना बहुत गर्व का पल था। अपनी बहन सोफिया कुरैशी के बारे में उन्होंने कहा, हमारी डिफेंस फोर्स को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने सोफिया को ये मौका दिया। औरतों के साथ जो गलत हुआ, उसका बदला एक

औरत ले, उससे बेहतर कोई पल नहीं है। दुश्मनों को बता दिया कि हमारी औरतें किसी भी मर्दों से कम नहीं है। कर्नल सोफिया कुरैशी की जुड़वां बहन शाइना सुन्सारा ने बताया, मैं खुद एक महिला हूं, मैं इस बात को महसूस कर सकती हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को कितना ऊपर उठा दिया। सोफिया कुरैशी मेरी जुड़वां बहन है। ये बहुत प्रोत्साहित करने वाली बात है। अब सोफिया सिर्फ मेरी बहन नहीं रही, अब वो पूरे देश की बहन बन गई है। प्रधानमंत्री का 25,000 से अधिक महिलाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया, जो एक विशेष सिंदूर सम्मान यात्रा में उन पर फूलों की वर्षा कर रहीं थी।

सांध्यप्रकाश विशेष

छत्तीसगढ़ में नए सत्र से श्रीमद्भगवद्गीता, प्राचीन गणित, संस्कृति और संविधान पढ़ेंगे छात्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तकनीकी शिक्षा में बड़े बदलाव की शुरुआत होने जा रही है। नए शैक्षणिक सत्र से इंजीनियरिंग के छात्र न केवल तकनीकी विषयों की पढ़ाई करेंगे, बल्कि श्रीमद्भगवद्गीता, प्राचीन भारतीय गणित, खगोल विज्ञान, भारतीय संस्कृति और संविधान जैसे विषयों का भी अध्ययन करेंगे। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत उठाया गया है, जिसका लक्ष्य छात्रों को न केवल कुशल इंजीनियर, बल्कि जिम्मेदार और संस्कारित नागरिक बनाना है।छत्तीसगढ़ के 28 इंजीनियरिंग कॉलेजों में लागू होने वाले नए सिलेबस में कई नवाचार शामिल किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पुराने विषयों का कंटेंट अपडेट किया गया है और चार नए विषय जोड़े गए हैं।

फर्स्ट सेमेस्टर: फाउंडेशन कोर्स ऑफ एंसिएंट इंडियन नॉलेज सिस्टम - इसमें प्राचीन भारतीय गणितज्ञों जैसे आर्यभट्ट, वराहमिहिर और ब्रह्मगुप्त के योगदान को पढ़ाया जाएगा। **सेकंड सेमेस्टर:** श्रीमद्भगवद्गीता - मैनुअल ऑफ लाइफ एंड यूनिवर्स, जिसमें जीवन और ब्रह्मांड के दार्शनिक पहलुओं पर जोर दिया जाएगा। **थर्ड सेमेस्टर:** इंडियन ट्रेडिशनल नॉलेज साइंस एंड प्रैक्टिसेस - इसमें खगोल विज्ञान (एस्ट्रोनॉमी) और ज्योतिष (एस्ट्रोलॉजी) के चैप्टर शामिल होंगे। **फोर्थ सेमेस्टर:** इंडियन कल्चर एंड कांस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया - इसमें कलिंग, मराठा, राजपूत और द्रविड़ स्थापत्य कला के साथ-साथ भारतीय संविधान की पढ़ाई होगी। ये विषय सभी ब्रांच के छात्रों के लिए अनिवार्य होंगे, चाहे वे सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल या कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई कर रहे हों। पहले सभी ब्रांच के छात्र एकसमान फिजिक्स पढ़ते थे, लेकिन अब ब्रांच के आधार पर फिजिक्स का सिलेबस अलग होगा।

चीन के नागरिकों के लिए एडवाइजरी न विदेश से पत्नियां खरीदकर लाओ, न बांग्लादेश में डेटिंग-शादी करो

ढाका। बांग्लादेश में इस समय राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के इस्तीफा देने की धमकी के बाद तेजी से बांग्लादेश में राजनीतिक घटनाक्रम बदले हैं। इस बीच बांग्लादेश में चीन के दूतावास ने अपने नागरिको को लेकर एडवाइजरी जारी की है। बांग्लादेश में चीन के दूतावास ने चीनी नागरिकों को हिदायत दी है कि वे किसी विदेशी शख्स से शादी करने के लिए संबंधित कानून का सख्ती से पालन करें। बांग्लादेश के पुरुष या महिला से शादी करने के लिए मैच मेकिंग कराने वाले अवैध एजेंट्स से सावधान रहें और वीडियो प्लेटफॉर्म पर

सीमापार डेटिंग कंटेंट से भ्रमित नहीं हों। दूतावास ने चीन के नागरिकों को चेताते हुए कहा कि वे विदेशी पत्नी खरीदने से बचें और चीन के नागरिक बांग्लादेश में शादी करने से पहले दो बार सोचें। बता दें कि बांग्लादेश में इस समय मोहम्मद यूनुस सरकार और सेना के बीच ठनी हुई है। बांग्लादेश में म्यांमार सीमा पर मानवीय गलियारा बनाने की योजना को लेकर सेना और सरकार आमने-सामने हैं. यूनुस की अगुवाई वाली सरकार ने अमेरिका के साथ गुप्त रूप से बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर एक मानवीय गलियारा बनाने को लेकर डील की थी लेकिन बांग्लादेश आर्मी चीफ ने इस पर नाराजगी जताई थी।

नरसिंहपुर में उपराष्ट्रपति ने 116 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण किया

1300 करोड़ के कृषि उद्योग आकार लेंगे: सीएम

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नरसिंहपुर में तीन दिवसीय कृषि समागम मेले का उद्घाटन किया। उनके साथ उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। इस मौके पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित हैं।

इस दौरान उपराष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने 116 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 86 विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। इसमें 69 करोड़ के 71 कार्यों का लोकार्पण और 46 करोड़ से अधिक लागत के 15 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

कृषि उद्योग समागम 2025' का उद्देश्य प्रदेश की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन से जोड़ते हुए निवेश, नवाचार और नौकरियों के नए द्वार खोलना है।

सीएम बोले- प्रदेशभर में लगाए जाएंगे किसान मेले

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 2002-03 से आज तक एक लाख 32 हजार रुपए प्रति व्यक्ति आय हुई है। आने वाले समय में बिजली बिल से मुक्ति मिल जाएगी। 32 लाख किसानों को सोलर पंप देने की योजना लागू की है। यहां प्रदर्शनी के माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्र आए हैं। फसल का उत्पादन बढ़ेगा। कृषि आधारित फूड प्रोसेसिंग कम है। इसी के उद्देश्य से किसान मेला चालू किए हैं। इसी सिलसिले में तीन दिन तक प्रदर्शनी लगेगी। किसानों को सब्सिडी के माध्यम से जो यंत्र चाहेंगे, सरकार देगी। नरसिंहपुर में 102 हेक्टेयर में नए कृषि आधारित फूड पार्क तैयार किया जा रहा है। 1300 करोड़ से ज्यादा के उद्योग के नए संकल्प लेकर आकार लेंगे। किसान को 5 रुपए में परमानेंट बिजली कनेक्शन देने का निर्णय किया है। किसानों को पटवारी के पास जाने की जरूरत नहीं है। बंटवारा, रजिस्ट्री और नामांतरण को ऑनलाइन किया गया है। पूरे प्रदेश में किसान मेले लगाए जाएंगे। इसके बाद सीहोर के पास 12-13 अक्टूबर को बड़ा मेला लगाया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री नारायण कुशवाहा, गोविंद सिंह राजपूत, ऐंदल सिंह कंषाना, प्रहलाद सिंह पटेल, राव उदय प्रताप सिंह और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया भी मौजूद हैं।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

कृषि और उद्योग का समन्वय स्थापित करना, जिससे किसानों को कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ाया जा सके। खेती को आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया बनाना। उन्नत कृषि तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन कर किसानों को नई तकनीक, आधुनिक यंत्र, नवाचार और परिवर्तन से अवगत कराना। प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रैक्टिकल जानकारी और मार्गदर्शन देना। कृषि आधारित निवेश को बढ़ावा देकर निवेशकों और उद्यमियों को कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसरों से जोड़ना। इंवेस्टर्स मीट के माध्यम से उद्योग जगत को स्थानीय किसानों और संसाधनों से जोड़ना।

किसानों को स्वरोजगार की ओर प्रेरित कर व्यवसाय शुरू करने वाले किसानों को मार्गदर्शन, योजनाएं और नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म प्रदान करना।

शासकीय योजनाओं की जानकारी देकर सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि, उद्यमिता, स्व-सहायता समूह, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता आदि योजनाओं का लाभ दिलाना। क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए सफल 9 जिलों के किसानों को जोड़कर क्षेत्रीय कृषि-उद्योग मॉडल तैयार करना, जिससे स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को हितलाभ प्रदान कर कृषि निवेश से जुड़े समूहों से भी संवाद करेंगे।

मुंबई में भारी बारिश, पुणे में बादल फटा, सड़कें डूबीं, घरों में पानी भरा

नई दिल्ली। देश के 9 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। 24 मई को केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी को कवर करने बाद मानसून ने 25 मई को पूरा गोवा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से समेत मिजोरम, मणिपुर,

नगालैंड को कवर किया है। आज सुबह से ही मुंबई में तेज बारिश हो रही है। कई जगह 7-8 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिनके चलते पेड़ गिरे हैं। घने बादल की वजह से विजिबिलिटी काफी लो है। लोग गाड़ियों की लाइट ऑन करके ड्राइव कर रहे हैं। विजिबिलिटी कम होने से देश के अलग-अलग शहरों से आने वाली 8 फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं।

मप्र कांग्रेस में बड़े बदलाव की तैयारी, जिला अध्यक्षों की नियुक्ति से पहले 50 ऑब्जर्वर नियुक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। पार्टी ने संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेशभर में 50 पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। इसका उद्देश्य पार्टी के ढांचे को जमीनी स्तर से

पुनर्गठित कर उसे ज्यादा मजबूत और सक्रिय बनाना है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने इस बार गुजरात मॉडल को अपनाते हुए मध्य प्रदेश और हरियाणा को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना है। इन राज्यों में बूथ से लेकर जिला स्तर तक संगठन को पुनर्गठित किया जाएगा।

मुंबई बना कोरोना का हॉटस्पॉट, महाराष्ट्र में 43 नए मामले

मुंबई। महाराष्ट्र में कोविड-19 संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे में एक ही दिन में 43 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 35 मामले अकेले मुंबई से सामने आए हैं। बाकी 8 मामले राज्य के अन्य जिलों से सामने आए हैं। मरीजों की होम आइसोलेशन और अस्पतालों में देखभाल की जा रही है और स्वास्थ्य विभाग नागरिकों को सावधानी बरतने, मास्क पहनने और भीड़भाड़ से बचने की सलाह दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और बदलते वैरिएंट के कारण स्थिति पर नजर रखना जरूरी है।

बीएमसी ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव मरीज सामने आने के बाद गाइडलाइन जारी की है। नई गाइडलाइन में बीएमसी ने लोगों से कहा है कि महानगरपालिका के अस्पतालों में कोविड-19 मरीजों के इलाज और मार्गदर्शन की सुविधा दी जा रही है। मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों में मरीजों के लिए विशेष बेड और विशेष कमरों की भी व्यवस्था की गई है।

सऊदी अरब में 73 सालों से शराब पर लगी पाबंदी खत्म, होटल में अब छलका सकेंगे 'जाम'

रियाद। सऊदी अरब, जो अपनी इस्लामिक परंपराओं और सख्त शरीयत कानूनों के लिए जाना जाता है, अब एक बड़े बदलाव की ओर बढ़ रहा है। 73 साल से चली आ रही शराब की सख्त पाबंदी में ढील देते हुए, सरकार ने 2026 से चुनिंदा स्थानों पर शराब की बिक्री और सीमित सेवन की अनुमति देने का फैसला किया है। यह कदम 'विजन 2030' योजना का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य देश को पर्यटन और वैश्विक निवेश का केंद्र बनाना है।

नए नियमों के तहत, शराब की बिक्री केवल फाइव-स्टार होटल, हाई-एंड रिसॉर्ट्स, डिप्लोमैटिक जोन और नियोम, सिंदाला द्वीप जैसे प्रमुख पर्यटन प्रोजेक्ट्स में होगी। यह सुविधा सिर्फ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और प्रवासियों के लिए होगी, जबकि सऊदी नागरिकों और सार्वजनिक स्थानों पर शराब प्रतिबंधित रहेगी। केवल बीयर, वाइन और साइडर जैसे हल्के अल्कोहल पेय परोसे जाएंगे; व्हिस्की, रम जैसे स्ट्रॉन्ग ड्रिंक्स पर बैन जारी रहेगा। शराब केवल लाइसेंस प्राप्त स्थानों पर प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा परोसी जाएगी। नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी।

श्रीमद् भागवत कथा में रुक्मणि-श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग पर जमकर थिरके श्रोता

संत हिरदाराम नगर। सुख सागर उदासीन आश्रम में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन कथा वाचक राम, ष्याम ने श्रीकृष्ण विवाह का प्रसंग सुनाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर कथा में राम श्याम ने कहा कि रूकमणी का विवाह चेदिराज शिशुपाल से तय था, लेकिन रूकमणी श्रीकृष्ण से प्रेम करती थीं. रूकमणी ने श्रीकृष्ण को अपनी प्रेमपांती भेजी. श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी का हरण कर लिया और उनसे विवाह कर लिया. यह विवाह द्वारका में विधिवत रूप से किया गया था। रूकमणी के भाई रुक्म ने भी श्रीकृष्ण का विरोध किया था लेकिन रूकमणी ने श्रीकृष्ण का समर्थन किया। रूकमणी को देवी लक्ष्मी का अवतार माना जाता है। रूकमणी के पुत्र प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू थे। इस अवसर पर रूकमणी श्रीकृष्ण का विवाह सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर भाजपा मण्डल के पूर्व अध्यक्ष चंद्रप्रकाष इसरानी, झुलेलाल मंदिर ट्रस्ट के सचिव राज मनवानी ने महंत बाबा रामदास उदासीन, कथावाचक राम, श्याम, संत मोहनलाल उदासीन का शाल एवं फुल मालाओं से स्वागत किया। आरती के पश्चात् आम भण्डारे का आयोजन किया गया।

नारायणा पब्लिक स्कूल में हुई समर पूल पार्टी

भोपाल। नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, जो कि केम्पफोर्ट पब्लिक स्कूल का संचालन करता है, ने सफलतापूर्वक एक आनंददायक समर पूल पार्टी 2025 का आयोजन किया। यह सभी के लिए खुला कार्यक्रम हर्षोल्लास, नृत्य और ठहाकों से भरपूर रहा, जिसमें बच्चों ने पूल में मस्ती की, मनमोहक संगीत पर थिरके, ताजे फलों का स्वाद लिया और ठंडे पेयों का आनंद उठाया। श्री सलाम सर (डीजीएम) और प्रधानाचार्या श्रीमती रूना कुडेसिया के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम एक ताजगी भरा अनुभव और ग्रीष्म ऋतु का उत्तम उत्सव सिद्ध हुआ !

मध्यस्थता जागरूकता एवं कानूनी सलाह शिविर में 18 मामलों में समझाइश देकर किया समाधान

संत हिरदाराम नगर। भोपाल सेवा भारती वैकल्पिक विवाद समाधान केंद्र महानगर की ओर से माधव मंडल अंतर्गत प्रियंका नगर कोलार में मध्यस्थता जागरूकता एवं कानूनी सलाह शिविर में प्रांतीय अध्यक्ष शिव मंगल सिंह पूर्व न्यायाधीश और महानगर सचिव अधिवक्ता एस. आर. सेंदाने के मार्गदर्शन में हुआ। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया इसमें विवादित प्रकरणों, सिविल आपराधिक मामले, उपभोक्ता राजस्व चेक बाउंस, मकान मालिक व किराएदार विवाद जैसे कुल 18 मामले में विधि विशेषज्ञो ने सलाह सुझाव दिए। इस शिविर में संस्था के अधिवक्ता गण और माधव मंडल अध्यक्ष मंजुलता शर्मा, राम रघुवंशी, मंडल के सचिव प्रवीण सक्सेना, अल्का सक्सेना, कोषाध्यक्ष सोलंकी, गुंजन मिश्रा, गीत धीर, ज्योति कुलकर्णी, रीना वार्ष्णेय एवं पेरा लीगल वॉलिंटियर्स आदि उपस्थित थे।

बरगद का पेड़ दीर्घायु, मजबूती और निरंतरता का प्रतीक : योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि भारत की समृद्ध संस्कृति में कई ऐसे पर्व हैं जो केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि प्रकृति, विज्ञान और सामाजिक मूल्यों से भी गहरे जुड़े हुए हैं। ऐसा ही एक पर्व है वट सावित्री व्रत, जिसे विशेष रूप से विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए करती हैं। यह व्रत जेष्ठ माह की अमावस्या को रखा जाता है और वट यानी बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है।

वट सावित्री व्रत की पौराणिक कथा - वट सावित्री व्रत की शुरुआत एक अद्भुत कहानी से होती है। सावित्री और सत्यवान की। कथा के अनुसार, सावित्री ने तप, व्रत और अडिग संकल्प से अपने पति सत्यवान को यमराज से वापस पा लिया था। यह व्रत नारी शक्ति, सच्चे प्रेम और निष्ठा का प्रतीक है। महिलाएं इस दिन वट वृक्ष की पूजा कर, उसके चारों ओर धागा लपेटती हैं और पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। इस पूजा का महत्व केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति और आत्मबल की भी मिसाल है। वट वृक्ष का धार्मिक महत्व - वट यानी बरगद का वृक्ष भारतीय धार्मिक ग्रंथों में पवित्र माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ में ब्रह्मा, विष्णु और महेश, त्रिदेवों का वास होता है। यह वृक्ष अक्षय वट कहलाता है, जिसका अर्थ होता है 'कभी न नष्ट होने वाला'। यही कारण है कि महिलाएं वट वृक्ष की पूजा कर अपने दांपत्य जीवन की स्थायित्व की कामना करती हैं। बरगद का पेड़ दीर्घायु, मजबूती और निरंतरता का प्रतीक भी माना जाता है। इसकी शाखाएं जितनी विस्तृत होती हैं, उसे उतना ही मजबूत और जीवनदायी माना जाता है। यही संदेश यह पर्व देता है कि पति-पत्नी का संबंध भी बरगद की तरह गहराई और मजबूती से जुड़ा हो। वैज्ञानिक दृष्टिकोण - अगर हम वट सावित्री पूजा को वैज्ञानिक नजरिए से देखें, तो इसके पीछे कई स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े लाभ छिपे हुए हैं। बरगद का पेड़ केवल छांव नहीं देता, बल्कि यह 24 घंटे ऑक्सीजन छोड़ता है, जो वातावरण को शुद्ध करता है। इसके पत्ते, फल और छाल आयुर्वेदिक औषधियों में उपयोगी होते हैं। बरगद की जड़ें और छाल डायबिटीज, दस्त और त्वचा रोगों में लाभकारी मानी जाती हैं। इसकी छांव में ध्यान करने से मानसिक शांति मिलती है और यह तनाव को कम करता है। महिलाओं का व्रत करके वट वृक्ष के नीचे पूजा करना एक तरह की नेचुरल थेरेपी है, जो शरीर और मन दोनों को सशक्त करती है।

वट सावित्री व्रत कथा, इसका पाठ करने से मिलता है व्रत का पूरा फल

वट सावित्री व्रत कथा- ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि के दिन वट सावित्री का व्रत किया जाता है। इस दिन महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करती हैं। मान्यता है कि वट वृक्ष में त्रिदेव का वास है। साथ ही वट वृक्ष के नीचे ही यमराज ने सावित्री को पति सत्यवान के प्राण वापस लौटाए थे। इसलिए इस दिन वट वृक्ष की पूजा और कथा का पाठ करने से महिलाओं को व्रत का पूरा फल मिलता है। यहां विस्तार से पढ़ें वट सावित्री व्रत की संपूर्ण कथा। एक बार देवी पार्वती ने भगवान शिव से पूछा हे प्रभु ! आप सर्वज्ञ हैं। आप मुझे वह पुण्यकारी कथा सुनाइए जो महिलाओं के लिए अत्यंत शुभ फलदायक हो, पतिव्रता धर्म को दृढ़ करने वाली हो और सौभाग्य प्रदान करने वाली हो। प्रभास क्षेत्र में स्थित सावित्री देवी की कथा मुझे सुनाइए, जिसकी महिमा आज भी वट सावित्री व्रत के रूप में पूजी जाती है। तब भगवान शिव बोले हे पार्वती ! मैं तुम्हें एक ऐसी कथा सुनाता हूं जो महिलाओं के लिए आस्था, शक्ति और पतिव्रता धर्म की अद्भुत मिसाल है। यह कथा प्रभास क्षेत्र की है, जहां 'सावित्री स्थल' नामक स्थान पर वट सावित्री व्रत की महान परंपरा का आरंभ हुआ। बहुत समय पहले मद्रदेश में अश्वपति नामक एक प्रतापी और धर्मनिष्ठ राजा राज्य करता था।

भोपाल। वटसावित्री व्रत पर गुफा मंदिर धाम में अखंड सौभाग्य के लिए महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा की और धागा लपेटते परिक्रमा की।

सेवा का संकल्प: रोटरी क्लब भोपाल हिल्स ने वृद्धाश्रम में भेंट किया कूलर

भोपाल। भीषण गर्मी के इस मौसम में रोटरी क्लब भोपाल हिल्स ने समाजसेवा की एक सराहनीय पहल करते हुए आनंदधाम वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों के लिए एक बड़ा कूलर भेंट किया। इस योगदान का उद्देश्य वृद्धजनों को गर्मी से राहत देना और उन्हें एक आरामदायक वातावरण प्रदान करना रहा।

इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने न केवल आर्थिक सहयोग किया, बल्कि वृद्धजनों से मिलकर उन्हें आत्मीयता का अनुभव भी कराया। क्लब का यह मानना है कि बुजुर्गों की सेवा करना समाज के प्रति हमारा नैतिक कर्तव्य है। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के इस मानवीय प्रयास की सभी ने सराहना की। क्लब अध्यक्ष (आप चाहें तो नाम जोड़ सकते हैं) ने बताया कि भविष्य में भी क्लब इसी प्रकार की सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंदों तक सहायता पहुँचाता रहेगा। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स निरंतर सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य कर रहा है, और सेवा ही हमारा संकल्प है के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है।

विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस-कर्मयोग सर्वोत्तम उपचार है: योग गुरु

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि उनके केंद्र में कई वर्षों से निःशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ रहने की कला सिखाना है । यह केंद्र लोगों को योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर रहा है । योग गुरु महेश अग्रवाल के प्रयासों से लोग बिना दवाई के स्वस्थ रहने के तरीके सीख रहे हैं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं । यह एक सराहनीय पहल है जो लोगों को स्वस्थ और सुखी जीवन जीने में मदद कर रही है । हर साल 24 मई को विश्व सिज़ोफ्रेनिया जागरूकता दिवस मनाया जाता है । इस दिवस को मनाए जाने का उद्देश्य है लोगों में सिज़ोफ्रेनिया बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इस बीमारी से पीड़ित लोगों के प्रति सहानुभूति और समझ विकसित करना । सिजोफ्रेनिया एक गंभीर मानसिक बीमारी है, जो किसी व्यक्ति की सोच, भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित करती है । यह बीमारी ज्यादातर 16 साल से लेकर 45 साल की उम्र के लोगों में देखने को मिलती है । इस बीमारी में व्यक्ति काल्पनिक और वास्तविक वस्तुओं को समझने में भूल कर बैठता है । इसके परिणामस्वरूप युवाओं में आत्महत्या के मामले भी बढ़ते हैं । पीड़ित व्यक्ति में उदासीनता देखने को मिलती है । पीड़ित व्यक्ति आम लोगों की तरह सुख दुख महसूस नहीं कर पाता । वह किसी से बातचीत करना पसंद नहीं करता । इस दौरान पीड़ित व्यक्ति का व्यवहार असामान्य हो जाता है । जिन व्यक्तियों को सिजोफ्रेनिया होता है, वे अक्सर लंबे समय तक स्मृति, फोकस और समस्या-समाधान जैसी संज्ञानात्मक या सोचने की क्षमताओं के साथ संघर्ष करते हैं ।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन

साइकिल मैराथन रैली के साथ ही चूनाभट्टी और कोलार क्षेत्र में हुआ जनसुनवाई कार्यक्रम

भोपाल। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया, फिट इंडिया एवं सेंट्रल ग्रुप इंडिया के द्वारा मीडिया फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वाधान में मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में पहली बार साइकिल मैराथन रैली, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के साथ-साथ जनसुनवाई कार्यक्रम का भी आयोजन एक साथ किया गया। शिविर में कोलार क्षेत्र की 500 से अधिक जनता ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और मल्टीस्पेशलिटी डॉक्टर्स के परामर्श, दवाइयां, हार्ट की जांच जैसे ईसीजी, खून की जांचें और शिविर में उपलब्ध अन्य पूर्ण रूप से निःशुल्क सुविधाओं का लाभ लिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम के तत्पश्चात क्षेत्र के विधायक एवं मध्यप्रदेश सरकार के पदाधिकारियों ने जनसुनवाई के माध्यम से आम जनता की समस्या का निवारण भी किया एवं उनके द्वारा कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की गई।

मैराथन साइकिल रैली में भाग लेने वाले समस्त साइकिलिस्ट को सेंट्रल ग्रुप, इंडिया के द्वारा स्मृति चिन्ह और मेंडल का भी वितरण किया गया। अधिक जानकारी देते हुए डॉ. नितिन वर्मा द्वारा मीडिया को यह जानकारी दी गई कि, सीएसआर एक्टिविटीज के माध्यम से 400 खाने के पैकेट के साथ-साथ स्वल्पाहार का भी आयोजन शिविर में मोजूद सभी लोगों लिए किया गया। सेंट्रल ग्रुप, इंडिया के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नितिन वर्मा ने बताया कि इस पूरे आयोजन में मुख्य रूप से विधायक भगवान दास सबनानी, करनल आशीष जून, माननीय डॉ. अजय शंकर मेहता, माननीय एस एन सिंह एवं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के पदाधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। डॉ. वर्मा ने जानकारी यह भी बताया कि साइकिलिंग मैराथन के समापन पॉइंट पर सभी एक्टिव साइकिलिस्ट का मान सम्मान किया गया और उनको स्वल्पाहार भी प्रदान किया गया एवं क्षेत्र के विधायक भगवान दास ने दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया एवं कोलार क्षेत्र की जनता ने शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ भी लिया।

शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों का आयोजन आज

भोपाल। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों का आयोजन 26 मई को किया जाएगा। शिविर भोपाल की 85 स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित किए जा रहे हैं। शासकीय चिकित्सकों के साथ साथ निजी चिकित्सकों द्वारा भी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आकर परामर्श दिया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को शिविरों का आयोजन किया जाता है। 25 मई को अवकाश होने के कारण आज शिविर लगाए जाएंगे। इसके पहले 9 मई को आयोजित शिविर में 1238 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई थी। इन शिविरों में पीपल्स मेडिकल कॉलेज, चिरायु मेडिकल कॉलेज, आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज, सागर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, अपोलो सेज, बीड़कर क्लिनिक, अशोका आईवीएफ सेंटर, यूनिक हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा।

संस्कार विद्यालय में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समर कैम्प का हुआ समापन

ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों ने जो भी विधाएं सीखी उनका निरंतर अभ्यास करें:राम बंसल

संत हिरदाराम नगर । संस्कार विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर आयोजित समर कैम्प का समापन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप वरिष्ठ समाजसेवी निमेश सेठ एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, सचिव बसंत चेलानी सहित कई उपस्थित थे। राम बंसल ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि सभी धर्म में राष्ट्र धर्म सर्वोपरि होना चाहिए। इस वर्ष के ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों ने जो भी विधाएं सीखी हैं उनका निरंतर अभ्यास करें क्योंकि यह विधाएं आपके जीवन में काम आएगी। ग्रीष्म कालीन शिविर प्रतिवर्ष यहां लगाया जाता है इसका लाभ सभी बच्चों को मिलता है। वरिष्ठ समाजसेवी निमेश सेठ ने कहा कि गीत संगीत मानसिक थकान को दूर करता है यह वह विधाएं है जिससे मानसिक शांति मिलती है। जूड़ो कराटे जिंदगी भर सुरक्षा की गारंटी है। कर्नल पारवानी ने कहा कि आप बधाई के पात्र है इतने कम समय में आपने सीखा है। इससे बच्चों की मानसिक और शारीरिक शक्ति का विकास होता है। सुशील वासवानी ने शिविर में बच्चों एवं शिक्षकों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे विश्वास है जो आपने इन 20 दिनों में सीखा वह आपके जीवन में आगे काम आएगा।

पूर्ण ज्योति सेवा संस्थान द्वारा जल्द होगा भव्य मंदिर का निर्माण

संत हिरदाराम नगर। संत नगर की प्रमुख धार्मिक आध्यात्मिक सेवा संस्था पूर्ण ज्योति सेवा संस्था द्वारा शीघ्र ही एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया जाएगा। जो कि भोपाल से सीहोर रोड के मध्य भव्य मंदिर का निर्माण करने की योजना है इस मंदिर के साथ-साथ सत्संग हाल, योगा सेंटर का भी निर्माण किया जाएगा। जानकारी देते हुए शिव महापुराण कथा वाचक मुकेश महाराज ने बताया कि मंदिर निर्माण एवं सत्संग के लिए भूमि की तलाश की जा रही है। योग्य भूमि जैसे ही मिलेगी निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस मंदिर में योजना के अनुसार भगवान शिव की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थपित की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न देवी देवताओं की भी स्थापना होगी।

पर्यावरणविद् और बुद्धिजीवियों ने किया बैठक का आयोजन

पेड़ बचाओ अभियान में तय की आंदोलन की रूपरेखा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में पर्यावरणविद् और बुद्धिजीवियों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व मंत्री दीपक जोशी, उमाशंकर तिवारी, डा.राजीव जैन,शरद सिंह कुमरे,सुयश कुलश्रेष्ठ, अनुराग शर्मा,डा.आर. के. रावले,श्याम सुंदर शर्मा,रमेश कुमार और अखिलेश सिंग शामिल हुए।

सभी ने आगे चरणवद आंदोलन की स्वीकृति दी। जिसमें सभी जन प्रतिनिधिओ और प्रशासन को ज्ञापन देना। साथ ही जो एजेंसी रोड निर्माणकार्य कर रही उन एजेंसी से मुलाकात कर चर्चा करना।

सोशल मीडिया के प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर स्लोगन,नारे और जन आंदोलन संबंधित मटेरियल को प्रेषित करना। साथ ही ट्विटर पर 10000 लोगों को एक साथ ट्वीट करवा कर सभी को जागरूक कर पेड़ बचाओ आंदोलन में शामिल करना। प्रतिनिधि मंडल द्वारा जो ज्ञापन तैयार किया जा रहा है उसे पीएमओ ऑफिस, मुख्यमंत्री ऑफिस और सड़क परिवहन मंत्री गड़करी जी को ईमेल द्वारा भेजा जाएगा और उनके संज्ञान में लाया जाएगा।

साथ ही आगे फिर एक जन आंदोलन रख कर चिपको आंदोलन के माध्यम से रक्षा सूत्र बांधे जाएंगे।डा.राजीव जैन ने कहा कि हमारा विरोध विकास से नहीं है हम भी विकास के साथ है लेकिन विकास को विनाश की तर्ज पर ना करे,अब तो नई नई तकनीकी आ गई हे उनका प्रयोग कर सड़क का निर्माण करे जिससे हमारे पेड़ कटने से बच सके।पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने कहा कि अभी वर्तमान परिस्थितियों में इस रोड की आवश्यकता ही नहीं है। सुयश कुलश्रेष्ठ ने कहा कि प्रशासन को एक बार जन सुनवाई करना चाहिए और उनके अनुसार आगे की रणनीति बनाना चाहिए। शरद सिंह कुमरे ने बताया कि इन 8000 पेड़ो का कटना मतलब हमारी आने वाली पीढ़ी की सांसे कम करना है।अंत में उमाशंकर तिवारी ने सबका आभार व्यक्त किया,राष्ट्रगान और भारत माता की जय, सांसे हो रही कम, पेड़ लगाए हम के नारों के साथ बैठक का समापन हुआ।

सोसाइटी फॉर जर्नलिस्ट हेल्थ केयर समिति का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

भोपाल। सोसायटी फॉर जर्नलिस्ट हेल्थ केयर समिति का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर रविवार 25 मई को शिवाजी नगर स्थित पंडित शीतल प्रसाद तिवारी वाचनालय परिसर में संपन्न हुआ। शिविर के आयोजन में भाजपा नेता एवं अपोलो सेज हास्पिटल के स्तंभ, डॉक्टर हितेष वाजपेयी का विशेष सहयोग रहा। समिति द्वारा जारी पत्रज्ञप्ति के अनुसार अपोलो सेज हास्पिटल, वार्ड 46 के पार्षद योगेन्द्र गुड्डू चौहान तथा संस्कृति बचाओ मंच के संयोजक चन्द्रशेखर तिवारी के सौजन्य से तीन घंटे इस शिविर में काफी संख्या में पत्रकारों एवं उनके परिजनों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने लाभ लिया। मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता पी.सी.शर्मा ने भी सपत्नीक पहुंचकर चेकअप कराया। अपोलो सेज हास्पिटल के हृदय रोग एवं मधुमेह विशेषज्ञ डॉक्टर आनंद जाट के नेतृत्व में हास्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा शिविर में पहुंचे पत्रकारों, पत्रकारों के परिजनों और आमजनों के वाइटल चेकअप के साथ-साथ ब्लड प्रेशर, रेंडम ब्लड शुगर, ईसीजी, दांतों की जांच सहित अन्य परीक्षण कर परामर्श दिए गए। स्थानीय पार्षद गुड्डू चौहान, पंडित चन्द्रशेखर तिवारी एवं भाजपा नेता एवं अपोलो सेज हास्पिटल के स्तंभ डॉक्टर हितेष वाजपेयी के विशेष सहयोग के लिए आभार जताया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं के साथ सुनीं प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रवासियों से निरंतर संवाद के माध्यम मन की बात के 122वें संस्करण का नई दिल्ली प्रवास के दौरान श्रवण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मन की बात कार्यक्रम का श्रवण करने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मन की बात कार्यक्रम जन संवाद का अनूठा माध्यम है। यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक चेतना जागृत करने का अनुपम प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम युवा शक्ति, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण, गरीब कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और नवाचार से लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने वाला संवाद कार्यक्रम है, जो राष्ट्रवासियों को नई ऊर्जा और दिशा देता है। प्रधानमंत्री के ओजस्वी, प्रेरणादायक और दूरदर्शी विचार राष्ट्रसेवा, सामाजिक जागरूकता और जनहित में कार्य करने की सतत प्रेरणा देते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में बताया कि पिछले वर्षों में मधुमक्खी पालन क्षेत्र में भारत में एक क्रांति हुई है। आज से 10-11 साल पहले भारत में वार्षिक शहद उत्पादन 70-75 हजार मीट्रिक टन होता था। आज यह बढ़कर करीब सवा लाख मीट्रिक टन के आसपास हो गया है। इस तरह शहद उत्पादन में करीब 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आहवान किया कि प्रधानमंत्री के एकता के सूत्र में पिरोने वाले %मन की बात% कार्यक्रम के प्रेरणादायी संवाद से जुड़कर सशक्त भारत की दिशा में कदम बढ़ाएं।

कलेक्टर सुबह 5 बजे साइकिल से करीला धाम पहुंचे, मंदिर की व्यवस्थाओं को देखा

भोपाल। साइकिल से निरीक्षण कर हड़कंप मचाने वाले कलेक्टर इस बार 41 किलोमीटर साइकिल चलाकर जिले के प्रसिद्ध करीला धाम पहुंचे। जहां उन्होंने मंदिर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को अव्यवस्थाओं पर जमकर फटकार लगाई। इस बीच कलेक्टर ने मंदिर के ट्रस्ट एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली और बैठक में व्यवस्थाएं सुधार व मंदिर में सीता रसोई की शुरुआत करने के निर्देश दिए।

मां जानकी माता मंदिर करीला धाम प्रदेश सहित देशभर में प्रसिद्ध हैं, जहां मध्यप्रदेश के तीर्थ क्षेत्र का अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा पहले निरीक्षण किया गया। जहां कलेक्टर द्वारा मंदिर व्यवस्थाओं के संबंध में करीला रेस्ट हाउस में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने करीला मंदिर परिसर का भ्रमण कर संपूर्ण व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

बैठक में करीला धाम पर प्रस्तावित निर्माण कार्यों सामुदायिक स्वच्छता परिसर एवं लवकुश कुंड के निर्माण के संबंध में संबंधित विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया की करीला धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी हेतु स्व सहायता समूह के माध्यम से सीता रसोई का संचालन किया जाए। राई नृत्यांगनाओं के बैठने एवं नृत्य करने के लिए स्थान निर्धारित किया जाए। करीला स्थित दुकानों के लिए लेआउट जारी कर एक निश्चित स्थान निश्चित किया जाए। करीला धाम आने वाले वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग बनाई जाए। उन्होंने मंदिर के सौंदर्यीकरण के भी निर्देश दिए। मंदिर परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान देने सहित पेयजल व मंदिर परिसर में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर आदित्य सिंह का अनोखा अंदाज देखने को मिला जहां पर कलेक्टर सुबह लगभग 5 बजे 41किमी साइकिल चलाकर करीला धाम पहुंचे, जहां उन्होंने छुट्टी के दिन ही अधिकारियों की सुबह-सुबह बैठक ली। इस दौरान कलेक्टर ने लोअर टी-शर्ट पहन कर निरीक्षण किया और फिर अधिकारियों की बैठक ली।

शोभा गुप्ता संगठन की महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

भोपाल। मानवाधिकार संरक्षण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी द्वारा डॉ. शोभा गुप्ता को संगठन की महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है.मध्य प्रदेश की संगठन की संरक्षक हेमलता कोठारी और प्रदेश अध्यक्ष श्री राम चन्द्र तिवारी द्वारा हार्दिक बधाई दी गई मानव अधिकार संरक्षण संगठन के सभी सदस्यों द्वारा खुशी व्यक्त की गई।

पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास शीघ्र प्रारंभ करें: राज्यमंत्री गौर

नवनिर्मित छात्रावास भवन का किया निरीक्षण

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने नीमखेड़ा जबलपुर में नवनिर्मित पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास को शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने रविवार को जबलपुर भ्रमण के दौरान नवनिर्मित 500 सीटर पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नवनिर्मित छात्रावास के कक्ष, मेस,किचन सहित सम्पूर्ण परिसर और उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास परिसर की अधूरी बाउंड्रीबॉल को शीघ्र पूर्ण कराए जाने एवं परिसर में पौधारोपण करने के भी निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान विछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण जबलपुर के जिला अधिकारी श्री आशीष दीक्षित उपस्थित थे।

ग्वालियर हाईकोर्ट में अंबेडकर की मूर्ति स्थापना का विवाद, दलित नेता ने सीजेआई, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को लिखा पत्र

भोपाल। ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर विवाद गहरा गया है। दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। मूर्ति स्थापना की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। चबूतरा बन चुका था और मूर्ति भी तैयार थी। लेकिन ग्वालियर बार एसोसिएशन ने इसका विरोध कर दिया। कुछ दिन पहले मूर्ति स्थापना के समर्थक कार्यकर्ताओं के साथ कुछ वकीलों की मारपीट की घटना भी सामने आई। यादव ने भोपाल में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। इसमें देश के सभी न्यायालय परिसरों में संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की मांग की गई है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी पत्र भेजा गया है। यादव ने प्रशासन से मूर्ति स्थापना कराने और विवाद को शांत करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि वे हर हाल में हाईकोर्ट परिसर में मूर्ति स्थापित करेंगे।

गंगा-दशहरा पर्व पर उज्जैन में क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा 4 एवं 5 जून को

भोपाल। महाकाल की पावन नगरी उज्जयनी में गंगा दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में 4 एवं 5 जून को क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा आयोजित की जायेगी। यह परिक्रमा प्रतिवर्ष गंगा दशहरा पर्व पर की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में जल संरक्षण के लिये 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसी उद्देश्य को लेकर ज्येष्ठ शुल्क पक्ष नवमीं से ज्येष्ठ शुल्क दसवीं गंगा दशहरा के अवसर पर दो दिवसीय माँ क्षिप्रा परिक्रमा आयोजित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोक्षदायिनी क्षिप्रा तीर्थ के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरण के लिये सभी से सहभागिता के लिये आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि परिक्रमा में विद्वतजन, विषय-विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और समाज के सभी वर्ग शामिल होकर क्षिप्रा संरक्षण कार्य में संलग्न रहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा के दौरान पर्यावरणविद्, जीव और वनस्पति वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गयी परीक्षण रिपोर्ट प्रतिवर्ष शासन को भेजी जाती है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षिप्रा नदी के किनारे विकास कार्यों को प्रमुखता से लिया गया है। क्षिप्रा परिक्रमा में घाटों का निर्माण, मंदिरों का पुनर्निर्माण, क्षिप्रा नदी का शुद्धिकरण और खान डायवर्सन योजना और नौका-विहार जैसे कार्य किये जा रहे हैं।

क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में व्यवस्था

निदेशक महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ उज्जैन श्री श्रीराम तिवारी ने बताया कि क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में प्रशासन द्वारा सभी जरूरी व्यवस्थाएँ की जायेंगी। इसमें नगर निगम उज्जैन द्वारा परिक्रमा मार्ग की सफाई, रामघाट, दत्त अखाड़ा, गुरुनानक देव घाट और राणोजी की छत्री घाट के साथ परिक्रमा मार्ग के घाटों की साफ-सफाई का कार्य किया जायेगा। क्षिप्रा नदी की सफाई, फव्वारे, मंदिरों की पुताई एवं विद्युत साज-सज्जा का कार्य किया जायेगा। दत्त अखाड़ा, गुरुनानक घाट, रामघाट, चुनरी-पूजन स्थल और भजन संध्या स्थल पर हैलोजन लगाये जायेंगे। नगर निगम द्वारा यात्रा के पहले-दूसरे दिन 4 एवं 5 जून को दत्त अखाड़ा घाट क्षेत्र, गुरुद्वारा नानक साहिब में विश्राम व्यवस्था की जायेगी। प्रति वर्षानुसार यात्रियों की सुविधा के लिये त्रिवेणी, रामघाट, दत्त अखाड़ा घाट पर टेंट, मंच, विद्युत व्यवस्था की जायेगी।

क्षिप्रा परिक्रमा के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विभिन्न स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था की जायेगी। उज्जैन विकास प्राधिकरण की मेंटेनेंस गैंग द्वारा मार्ग का चिन्हीकरण एवं चुनरी व्यवस्था के साथ यात्रा मार्ग पर मुरम का भराव कर रास्ता तैयार किया जायेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिक्रमा के साथ एम्बुलेंस, डॉक्टर तथा पड़ाव स्थलों पर चिकित्सा व्यवस्था की जायेगी। यात्रा के दौरान सम्पूर्ण परिक्रमा स्थल एवं मार्ग पर पुलिस व्यवस्था रहेगी। साँची दुग्ध संघ द्वारा श्रीखण्ड एवं छाछ की व्यवस्था की जायेगी। जिला प्रशासन द्वारा मुख्य समारोह में भजन संध्या की व्यवस्था, वीआईपी अतिथियों की व्यवस्था और सेक्टर बनाकर परिक्रमा मार्ग पर अधिकारियों को नियुक्त किया जायेगा। यात्रा में विभिन्न ग्रामों की सहकारी समितियों का सहयोग भी लिया जायेगा।

ओंकारेश्वर में भक्तों के लिए खास सुविधा शुरू, मामूली चार्ज में रात में रुकने की व्यवस्था

भोपाल। खंडवा स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अब एक नई सुविधा शुरू हो गई है। जहां पहले ठहरने के लिए भक्तों को प्राइवेट होटलों को रुख करना पड़ता था और वो भी भरे हुए मिलते थे। अब नई व्यवस्था से मंदिर परिसर में विश्राम के लिए एक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराया जा रहा। कोविड काल से अधूरा पड़े विश्राम भवन अब भक्तों के लिए पूरी तरह खुल चुका है। जिसमें ठहरने के लिए मामूली चार्ज लगेगा।

कोविड महामारी के समय से बंद पड़ा यह विश्रामालय भवन अब खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता के निर्देश पर पूर्ण रूप से चालू कर दिया गया है। पहले यह भवन अधूरा था और उपयोग में नहीं आ रहा था। अब इसे तीर्थयात्रियों के लिए खोल दिया गया है। इसमें कई बेड भक्तों के आराम के लिए लगाए गए हैं।

कम किराये में मिलेगा विश्राम

रेस्टरूम भवन में 2 अलग अलग हॉल हैं जहां बेड लगे हुए हैं। इसमें पलंग, गर्मी से राहत के लिए कूलर, छत पर फॉल सीलिंग, अटैच टॉयलेट, बिजली व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यह सारी सुविधाएं तीर्थयात्रियों के लिए बेहद राहतदायक साबित होंगी। खास बात ये है कि इसके लिए मामूली चार्ज लिए जा रहे हैं। एसडीएम शिवम प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विश्रामालय का उपयोग सभी आम तीर्थयात्री कर सकते हैं। इसके लिए नाममात्र शुल्क रखा गया है।

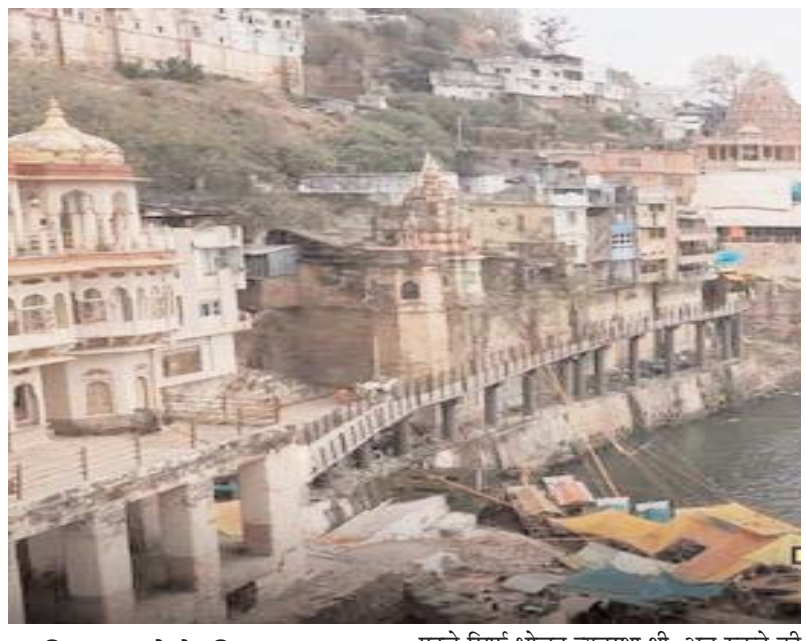

महिला-पुरुषों के लिए अलग हॉल

खंडवा एडीएम काशीराम बडोले ने जानकारी दी कि विश्रामालय में महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग हॉल बनाए गए हैं। प्रत्येक हॉल में लगभग 20-20 बेड की व्यवस्था की गई है। यहां ठहरने के साथ-साथ प्रसादालय में भोजन की भी सस्ती दरों पर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पहले सिर्फ भोजन व्यवस्था थी, अब रुकने की सुविधा भी जुड़ गई है।

जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि देश और विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को कम खर्च में बेहतर सुविधाएं मिलें। इस प्रयास से ओंकारेश्वर आने वाले भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव के साथ-साथ ठहरने की सुविधा भी बेहतर रूप में मिल रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान से भूगर्भ में सहेजा जाएगा करोड़ों लीटर वर्षा जल

भोपाल । जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरचनाओं का निर्माण, पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ट्यूबवैल, कुओं एवं हैंडपंप जैसी जल संरचनाओं के आसपास रिचार्ज संरचनाओं के निर्माण और तालाबों का गहरीकरण जैसे जल संवर्धन कार्यों से मध्यप्रदेश में करोड़ों लीटर वर्षा जल सीधे भूगर्भ में सहेजा जा सकेगा।

विदिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान में किसानों को पानी के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। उद्यानिकी और कृषि विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में संगोष्ठी का आयोजन कर ग्रामीणों को ऐसी तकनीकों के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जहाँ किसान उद्यानिकी फसलों को पानी के सदुपयोग के बाद अच्छे तरीके से ले सकते हैं। किसानों को जल संरचनाओं के महत्व, सूक्ष्म सिंचाई में ड्रिप और स्प्रिंकलर के प्रयोग के बारे में बताया जा रहा है। किसानों को यह बताया गया कि ड्रिप एरीगेशन से उद्यानिकी फसलों में 60 से 70 प्रतिशत पानी की बचत की जा सकती है। सिंचाई की यह पद्धति घुलनशील होती है, जो जमीन को पोषक तत्वों को पौधों की जड़ों तक पहुँचाती है।

सीहोर जिले के ग्राम बरखेड़ादेवा और रसूलपुरा में कल्याणी नदी में श्रमदान किया गया। ग्रामीणों ने नदी के आसपास की सफाई की। ग्रामवासियों को जल संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। जिले में जल संरक्षण की अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। जिले में दीवार-लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर-बैनर, रंगोली, ग्रामसभा, कलश-यात्रा हो रही हैं। अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डेम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किये जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जन-भागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। जन-भागीदारी से जल-स्त्रोतों को प्रदूषण मुक्त करने के लिये मिलकर काम किया जा रहा है। जिले में आगामी वर्षा मौसम को ध्यान में रखते हुए पौध-रोपण के कार्य किये जा रहे हैं। बुरहानपुर जिले में ग्राम सीवल, बाकड़ी, मांडवा में चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को जल संवर्धन अभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के बारे में जानकारी दी गयी। जिला पंचायत सीईओ सुश्री लता शरणागत ने ग्रामीणों को धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस योजना का लाभ उठाने के लिये आगे आने के लिये कहा। चौपाल में ग्रामीणों को अपने खेत के छोटे से हिस्से में तालाब निर्माण करने की सलाह दी। इसी के साथ कपिलधारा कुएँ के निर्माण के बारे में बताया गया। चौपाल में ग्रामीणों को पानी की बचत की शपथ दिलायी गयी। ग्रामीणों से कहा गया कि आगामी वर्षा के मौसम को ध्यान में रखते हुए गाँव में फलदार पौधे लगाने के लिये अभी से सामूहिक तैयारी करें।

बोर्ड कक्षा-10 और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष कक्षाओं का संचालन, लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किए निर्देश

भोपाल। लोक शिक्षण संचालनालय ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा-10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया है। इसके लिये संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और समस्त प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग का प्रयास है कि द्वितीय बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र अधिक से अधिक संख्या में उत्तीर्ण होकर अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें। प्रदेश में कक्षा-10वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत उत्तीर्ण विद्यार्थियों की द्वितीय बोर्ड परीक्षाएँ 17 जून से प्रारंभ होंगी। इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के साथ-साथ श्रेणी सुधार के लिये विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किये जा रहे हैं। ग्रीष्म अवकाश के दौरान विद्यालय प्राचार्य राज्य स्तर से उपलब्ध करायी गयी अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के व्हाट्सअप ग्रुप पर साझा करेंगे। इसी के साथ प्राचार्य विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा कर उनके कठिन बिन्दुओं के संबंध में विषय शिक्षकों के साथ साझा कर विद्यालय स्तर पर कार्य-योजना बनायेंगे। प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश के बाद 2 जून से 14 जून के मध्य उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये शालाओं में प्रातः 10:30 बजे से कक्षाएँ संचालित होंगी। विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जायेगी। शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि वे विषय शिक्षकों को अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहने को कहें। इसी के साथ उनकी शैक्षणिक प्रगति का निरंतर मूल्यांकन करें।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब वक्फ की जमीन किसानों को खेती के लिए लीज पर दी जाएगी

उज्जैन। मध्य प्रदेश में वक्फ कृषि भूमि की लीज नीलामी को हाईकोर्ट में चुनौती में दी गई थी। इस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने बोर्ड की प्रक्रिया को वैध ठहराया है। इस फैसले पर मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने खुशी जाहिर की है। सनवर पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश संभवतः देश का पहला राज्य बन गया है, जहां वक्फ से संबंधित संपत्तियों के लिए बनाई गई सरकार की नीति को हाईकोर्ट ने वैधता प्रदान की है। हम हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। लंबे समय से जो लोग संपत्तियों पर कब्जा करके बैठे थे और उससे होने वाली आय से अपनी जेब भरने का काम करते थे, अब यह सब बंद हो जाएगा।

नए वक्फ कानून से पारदर्शिता

पटेल ने कहा कि इस प्रकार के निर्णय हमें ताकत देते हैं और हमें प्रमाणिकता मिलती है कि हमारे काम वैधानिक हैं। संपत्तियों पर वक्फ की आड़ में कब्जा करके बैठे भूमाफियों के लिए यह एक सबक है। इस फैसले के खिलाफ कई गुमनाम याचिकाएं लगाई गई थीं। यह काम सिर्फ लोगों को गुमराह करने के लिए चंद एजेंसियां करती रही हैं। नया वक्फ कानून पारदर्शिता के लिए है। परोपकार पर खर्च के लिए है। कोर्ट का यह निर्णय बेहद परोपकारी होने वाला है।

किसानों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

पटेल ने आगे कहा कि इस फैसले के बाद मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड अपनी वैधानिक संपत्तियों को किसानों के लिए खोल रहा है। किसानों को भारत सरकार के पट्टा नियम के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ कृषि कार्य हेतु भूमि लीज पर दी जाएगी। इससे वक्फ बोर्ड को उचित आय होगी। उस आय को दानदाताओं की मंशा के अनुसार जनकल्याण पर खर्च किया जाएगा और गरीबों के उत्थान के लिए काम कर पाएंगे। यही वक्फ का उद्देश्य है।

संपादकीय

बहन-बेटियों का सिंदूर उजाड़ने वाले पापी कहां हैं?

पहलगाम नरसंहार को एक माह बीत चुका है। उन मासूम, बेगुनाह लोगों के हत्यारे और बहन-बेटियों का सिंदूर उजाड़ने वाले पापी कहां हैं, यह सहज सवाल सबके भीतर भी खदबदा रहा है। हम देश की सेना और सुरक्षा बलों के साहस, पराक्रम और जांच पर रत्ती भर भी सवाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने 3000 संदिग्धों या आतंकियों के 'जयचंदों' से पूछताछ कर सुराग टटोलने की कोशिशें की हैं। कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। बीते 10-12 दिन में कुछ आतंकियों और घुसपैठियों को ढेर भी किया गया है। खुफिया लीड थी कि जैश-ए-मुहम्मद के 3-4 आतंकी उस इलाके के जंगलों में छिपे हैं। दरअसल पहलगाम नरसंहार आज भी एक जिंदा और प्रासंगिक मुद्दा है। उसी के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर में लोगों को संबोधित करते हुए जो रौद्र रूप दिखाया है, वह अभूतपूर्व है और उसमें पहलगाम में सिंदूर मिटाने, उजाड़ने की चिंता और आक्रोश भी निहित है। प्रधानमंत्री इसे गुस्सा या आक्रोश ही नहीं मानते, बल्कि समर्थ भारत का रौद्र रूप और न्याय का नया स्वरूप मानते हैं और यही 'ऑपरेशन सिंदूर' है। प्रधानमंत्री ने यहां तक कहा कि उनकी रगों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है। जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसके क्या नतीजे होते हैं, यह दुश्मन ने देख लिया है। प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द अभिधात्मक नहीं हैं, बल्कि सिंदूर के प्रतीक के तौर पर लाक्षणिक हैं। प्रधानमंत्री अब भी पहलगाम और सिंदूर की त्रासदियों से जुड़े हैं। यह राजनीति नहीं है। कोई भी चुनाव सामने नहीं है। बिहार और राजस्थान के बीच व्यापक दूरियां हैं। बीकानेर के एयरबेस से कुछ ही दूरी पर, सीमापार, पाकिस्तान का रहीम यार एयरबेस है, जो ध्वस्त होने के बाद आईसीयू में पड़ा है। न जाने अब वह कब खुलेगा। प्रधानमंत्री ने देश को बताया है कि सिंदूर उजाड़ने का बदला लिया जा चुका है, प्रण पूरा किया गया है।

प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि अब कोई आतंकी हमला भारत पर किया जाएगा, तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। हम आतंक और उसके सरपरस्तों को अलग-अलग नहीं समझेंगे, लिहाजा करारा जवाब पाकिस्तान, उसकी फौज और अर्थव्यवस्था को भी झेलना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को यहां तक चेतावनी दी है कि उसे पाई-पाई को मोहताज कर दिया जाएगा। विडंबना यह है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस प्रधानमंत्री के संबोधन और सरोकारों को 'फिल्मी डॉयलॉग' करार दे रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री खोखले भाषण देना बंद करें। कैमरे के सामने ही आपका लहू गर्म क्यों होने लगता है? कांग्रेस लगातार सवाल दाग रही है कि जब हालिया संघर्ष में भारत ने पाकिस्तान का बहुत कुछ तबाह कर दिया था, तो अचानक युद्धविराम क्यों किया गया? अमरीकी राष्ट्रति ट्रंप के दबाव में युद्धविराम क्यों किया गया? आखिर हम पीओके तक पहुंच कर उसे वापस लेने में नाकाम क्यों रहे? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब विदेश मंत्रालय और हमारे डीजीएमओ दे चुके हैं। दरअसल आज के संदर्भ में 1971 का भारत-पाक युद्ध और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी प्रासंगिक हैं। 1972 में 'शिमला समझौते' के बाद तत्कालीन सैन्य फील्ड मार्शल जनरल सैम मॉनकशॉ ने इंदिरा गांधी के सामने जो टिप्पणी की थी, हम उसे लिख नहीं सकते। अलबत्ता कांग्रेस बखूबी जानती है कि तब युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 से अधिक फौजियों के आत्मसमर्पण के बावजूद भारत पीओके को अपने कब्जे में क्यों नहीं ले सका था? युद्धविराम का सवाल तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से किया गया था। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप की विश्वसनीयता पर खुद अमरीका की रपट है कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति ने 30,573 झूठे या भ्रामक दावे किए थे। इस बार भी वह 8-10 बार बयानों को बदल चुके हैं। कांग्रेस को किसका भरोसा होगा कि युद्धविराम में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। बहरहाल पहलगाम आज भी एक राष्ट्रीय मुद्दा है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने आतंकवाद का फन कुचलने की दमदार नीति और रीति दिखाई है। एकजुट होकर चलने की जरूरत है।

यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के स्वर्णिम 11 साल

कर्मठ मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव म. प्र. को अग्रणी राज्य बनाने हेतु कृतसंकल्पित

सुरेश पचौरी

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्?ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है, यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 11 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे।

श्री नरेन्द्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो सर्वे भवन्तु सुखिनः के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। संक्षेप में कहा जाए तो मोदी जी के नेतृ?व वाली केन्?द्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म, प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में तङ्खह को रखा है। त का तात्पर्य गरीब, ङ्ख का तात्पर्य युवा,् का तात्पर्य अन्नदाता किसान और ह का तात्पर्य नारी, वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्?याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है।

गरीब कल्याण कार्यक्रम

केन्द्र सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्?याणकारी निर्णय लिये हैं। श्री नरेन्?द्र मोदी ने 2 अक्?टूबर 2014 को स्?वच्?छ भारत अभियान की शुरुआत की। पिछले 11 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। स्?वच्?छ भारत अभियान के तहत लगभग 12 करोड़ शौचालय बन चुके हैं। उज्?ज्?वला योजना के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ गैस कनेक्?शन निश्शुल्क दिये गये हैं। पिछले 5 सालों में जल जीवन मिशन के तहत 12 करोड़ परिवारों के घरों में नल से जल देने का काम पूरा हुआ है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को 4 करोड़ घर मिल चुके हैं। देश के 80 करोड़ जरूरतमंद लोगों को निश्शुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत मार्च 2025 तक कुल 55.02 करोड़ जन-धन खाते देश में खोले जा चुके हैं। इन्?हीं सब प्रयासों की वजह से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गये हैं।

युवा शक्ति की बेहतरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए अच्छा स्वास्थ्य, फिटनेस और उन्हें उचित हुनर से लैस करना शामिल है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा कोष योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढ़ाया है। मार्च 2025 तक समर्थ पोर्टल पर लगभग 5 लाख उपयोगकर्ता पंजीकृत हुये, जिनमें से 77 प्रतिशत युवाओं को प्लेसमेंट मिल चुका है। स्टार्टअप इंडिया के तहत 16 लाख लोगों को प्रत्यक्ष नौकरियां मिली हैं और नौजवान इन योजनाओं से प्रभावित होकर स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं।

किसान कल्याण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ़ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत् फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को उनके बैंक खातों में हर चार महीनों में दो हजार रुपये पहुचाये जाते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि से करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये सीधे किसान के खातों में पहुंचे हैं। पीएम फसल बीमा योजना के तहत दो लाख करोड़ रुपये किसानों को मिले हैं। किसानों को सस्ते दामों में खाद मिले, इस दिशा में पिछले दस सालों में बारह लाख करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। दलहन, तिलहन और नारियल की खरीद के लिए सरकारी गारंटी बढ़ाकर 45,000 करोड़ रुपये कर दी गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई) का बजट 1,01,321.61 करोड़ रुपये कर दिया है। आज भारत दूध और मसालों के उत्पादन में विश्व में नम्बर 1 पर है। भारत सरकार ने 2817 करोड़ रुपए डिजिटल कृषि मिशन के लिए स्वीकृत किये हैं।

महिला सशक्तिकरण

महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। स्टैंडअप इंडिया से 81त्न महिलाएं उद्यमी बनीं। मुद्रा योजना से 68त्न महिलाएं लाभार्थी हुईं। केन्?द्र सरकार का लक्ष्?य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग 1 करोड़ 10 लाख लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। %बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ% अभियान से बेटियों का आत्?मसम्?मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने देश में लगभग 1लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के हर वर्ग खासकर सामान्य लोगों तक सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस दिशा में जारी प्रयास के परिणाम स्वरूप अस्पताल,इलाज और दवाओं पर होने वाला खर्च निरन्तर कम होता जा रहा है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्ड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

धारा- 370 की समाप्ति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्?त कर दी। धारा- 370 को हटाना एक इतिहास की धारा को मोड़ने वाला निर्णय साबित हुआ है, इससे जम्मू-कश्मीर में खुशहाली की राह खुली है और देश की एकता व अखण्डता का ताना-बाना मजबूत हुआ है। आज स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर के नागरिक आतंकियों की गतिविधियों के पुरजोर विरोध में खड़े हुये हैं।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति

प्रधानमंत्री श्री मोदी की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बहुत स्पष्ट है। पाकिस्तान के हुक्मरानों, पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और उनके द्वारा पोषित आतंकवादी संगठनों ने भारत में समय-समय पर आतंकवादी हमले किये हैं, जिसमें निर्दोष भारतीयों की जानें गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के लिए खुली छूट दी। भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादी अड्डों एवं प्रशिक्षण शिविरों को जमींदोज कर दिया। प्रधानमंत्री जी ने विश्व समुदाय के सामने भारत का पक्ष रखने के निए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल भेजने का फैसला लिया, जो सराहनीय कदम है।

भारतीय सेना को सम्मान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न युद्धों के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों की पुण्य स्मृति में दिल्ली में राष्ट्रीय शौर्य स्मारक एवं नेशनल वॅार मेमोरियल निर्मित कराये गये। पूर्व सैनिकों के लिए ÷वन रैंक वन पेंशन÷ योजना लागू की गई। केंद्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। रक्षा बजट जो वर्ष 2014 में 46,429 करोड़ रुपये था, वह 2024 में 1.27 लाख करोड़ हो चुका है। मेक इन इंडिया, डिफेंस स्टार्टअप की बदौलत रक्षा उत्पादन के मामलों में भारत आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। देश में पहले 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किये जाते थे, वहीं अब 65प्रतिशत रक्षा उपकरण भारत में ही तैयार हो रहे हैं। स्वदेशी रक्षा उत्पादन जैसे तेजस लड़ाकू विमान, ब्रम्होस मिसाइल और अग्नि मिसाइल सिस्टम ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपये का था, जो बढ़कर 23,000 करोड़ रुपये हो गया है।

नया भारत विकसित भारत हो इसके लिये आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना प्रधानमंत्री जी की प्राथमिकता है। नागरिकता संशोधन कानून, ई-गवर्नेन्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, अक्षय ऊर्जा में वृद्धि, पीएम गतिशक्ति आदि योजनाएं देश को विकसित एवं खुशहाल भारत की ओर ले जाने की दूरगामी पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन राष्ट्रयज्ञ की समिधा है, और उनकी कामना रन्तिदेव की तरह राष्ट्र को वैभव पूर्ण बनाने की है।

रन्तिदेव ने कहा था -

''न त्वहं कामये राज्यं, न स्वर्ग न पुनर्भवम।
कामये दुःख तातानां, प्राणिनामार्ति नाशनम।।''

अर्थात् - न मुझे राज्य की कामना है, न स्वर्ग की और न पुनर्जन्म से छुटकारा पाने की। मेरी कामना तो यह है कि मैं दुखों से संतप्त प्राणियों के काम आ सकूं।

इसी भावना से स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत को दुनिया के समृद्ध और शक्तिशाली देशों में शुमार करने की दिशा में सन्नद्ध व संकल्पबद्ध हैं।

(लेखक, भारत सरकार में रक्षा उत्पादन, कार्मिक व संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे हैं)

विजय शाह की माफी अस्वीकार करने के पीछे ठोस कानूनी आधार!

विनय झैलावत

सर्वोच्च न्यायालय ने भी मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई अशिष्ट एवं अपमानजनक भाषा के उपयोग पर प्रस्तुत माफीनामे को स्वीकार नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय ने विजय शाह द्वारा किए कथित अपराध के लिए 20 मई की सुबह 10 बजे तक विशेष जांच इकाई के गठन करने का आदेश भी दिया था। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह विशेष जांच इकाई मध्य प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा गठित की जाएगी। इस जांच इकाई के तीनों सदस्य पुलिस अधीक्षक या इससे उच्च श्रेणी के अधिकारी होंगे, जो मध्यप्रदेश से बाहर के होंगे। इनमें एक महिला अधिकारी भी होगी। लेकिन, सर्वोच्च न्यायालय ने तब तक कुंवर विजय शाह के विरूद्ध कोई कठोर कार्यवाही (गिरफ्तारी) पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता विजय शाह को निर्देश दिए कि वे इस विशेष जांच इकाई को जांच के दौरान पूर्ण सहयोग प्रदान करें। न्यायालय ने विशेष जांच इकाई को यह निर्देश दिए कि वह अपनी पहली रिपोर्ट 28 मई को प्रस्तुत करें।

इसके पूर्व मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंत्री विजय शाह के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला शुरू किया। क्योंकि, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर निशाना साधते हुए टिप्पणी की थी। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया कि वे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के विभिन्न प्रावधानों के तहत शाह के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करें। यह भी कहा यह आज शाम तक किया जाना चाहिए, अन्यथा न्यायालय कल डीजीपी के खिलाफ न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही करेगा।

न्यायमूर्ति श्रीधरन ने महाविधवक्ता प्रशांत सिंह से कहा कि मैं कोई बहाना नहीं सुनुंगा। सुनिश्चित करें कि यह किया जाए। अन्यथा मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं, मैं वादा करता हूं, राज्य को अत्यधिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा और मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' न्यायालय ने पाया कि शाह ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'अशिष्ट भाषा' का इस्तेमाल किया है। न्यायालय ने कहा कि उनकी टिप्पणियां अपमानजनक और खतरनाक है। न केवल संबंधित अधिकारी के लिए बल्कि सशस्त्र बलों के लिए भी। न्यायालय ने कहा कि विजय शाह ने कर्नल कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' बताया, जिन्होंने पहलगाम में 26 निर्दोष भारतीयों की हत्या की थी। न्यायालय ने बीएनएस के विभिन्न प्रावधानों की ओर इशारा किया, जिसका प्रथम दृष्टया शाह द्वारा उल्लंघन पाया गया। विशेष रूप से, न्यायालय ने बीएनएस की धारा 152 का उल्लेख किया। यह प्रावधान भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कार्यों को अपराध बनाती है।

न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया, मंत्री का यह कथन कि कर्नल सोफिया कुरैशी उस आतंकवादी की बहन है जिसने पहलगाम में हमला किया था, किसी भी मुस्लिम व्यक्ति में अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। इससे भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरा है। इस प्रकार यह न्यायालय प्रथम दृष्टया संतुष्ट है कि मंत्री के खिलाफ पहला अपराध भारतीय दंड संहिता की धारा 152 के तहत किया गया था। मंत्री का यह बयान कि कर्नल सोफिया कुरैशी उस आतंकवादी की बहन है, जिसने पहलगाम में हमला किया था, किसी भी मुस्लिम व्यक्ति में अलगाववादी भावना का आरोप लगाकर अलगाववादी गतिविधियों की भावनाओं को बढ़ावा देता है।

उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि बीएनएस की धारा 196, जो विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से संबंधित है। प्रथम दृष्टया इस मामले में भी बनती है। क्योंकि, कर्नल सोफिया कुरैशी इस्लाम की अनुयायी है। इसमें यह भी कहा गया है कि विजय शाह द्वारा दिया गया बयान प्रथम दृष्टया मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के बीच वैमनस्य और शत्रुता या घृणा या और भावना की भावना पैदा करने की प्रवृत्ति रखता है। इस प्रकार न्यायालय ने कहा कि धारा 197, जो राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक आरोपों, दावों को दंडित करती है, भी शाह के खिलाफ प्रथम दृष्टया बनती है। तदनुसार न्यायालय ने भाजपा सरकार के मंत्री के खिलाफ तत्काल आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया। जब एजी प्रशांत सिंह ने आदेश का पालन करने के लिए और समय मांगा, तो न्यायमूर्ति श्रीधरन ने कहा कि अगर कल तक आदेश का पालन नहीं किया गया तो और भी समस्याएं होंगी।

न्यायाधीश ने कहा कि बस इतना कहिए कि हम आदेश को लागू करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि न तो आप और न ही न्यायालय को शर्मिंदा होना पड़े। चुनाव आपका है। गेंद आपके पाले में है। एडिशनल एडवोकेट जनरल एचएस रूपरा और अमित सेठ के साथ एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया था। अगले दिन मामले की सुनवाई फिर होने पर न्यायालय ने कहा कि विजय शाह के खिलाफ एफआईआर इस तरह से तैयार की गई कि उसे रद्द किया जा सकता है। उच्च न्यायालय ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के मंत्री विजय शाह के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) में खामियों के लिए राज्य को फटकार लगाई।

महाधिवक्ता (एजी) प्रशांत सिंह ने न्यायालय को सूचित किया कि एफआईआर दर्ज कर दी गई है। हालांकि, न्यायालय ने पाया कि एफआईआर को लापरवाही से तैयार किया गया। इस पर न्यायमूर्ति श्रीधरन ने टिप्पणी की कि क्या आपने एफआईआर पढ़ी है? इसे कैसे तैयार किया गया है? इसमें कोई तत्व नहीं है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि इसे रद्द किया जा सके। एफआईआर में तत्व होना चाहिए। आरोप सामने आने चाहिए। ऐसी एफआईआर को रद्द किया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें तत्व नहीं दर्शाए गए हैं। इसमें अपराध का कोई विवरण नहीं है, सिवाय इसके कि आदेश की तिथि ऐसी हो। इसलिए हम अपने निष्कर्ष निकालते हैं। इसमें (एफआईआर) केवल यह कहा गया है कि कुछ निर्देश दिए गए हैं। न्यायालय ने अपने आदेश में इन चिंताओं को दर्ज किया और कहा कि वह विजय शाह के खिलाफ जांच की निगरानी करेगा।

आदेश में कहा गया कि, इस न्यायालय ने एफआईआर की जांच की है। इसमें अनिवार्य रूप से अपराध के तत्वों को अपराधी के कृत्यों से जोड़ना चाहिए। एफआईआर संक्षिप्त है। संदिग्ध की गतिविधियों का एक भी उल्लेख नहीं है, जो पंजीकृत अपराधों की सामग्री को संतुष्ट कर सके। क्रियात्मक भाग उच्च न्यायालय के आदेश की पुनरुत्पादन के अलावा कुछ नहीं है। इसमें संदिग्ध की गतिविधियों और वे किस तरह से अपराध का गठन करते हैं, इसका कोई उल्लेख नहीं है। यह एफआईआर इस तरह से दर्ज की गई है कि इसमें पर्याप्त जगह है कि अगर इसे चुनौती दी जाती है, तो इसे रद्द किया जा सकता है क्योंकि इसमें भौतिक विवरण की कमी है। इन परिस्थितियों में, यह न्यायालय यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि वह जांच एजेंसी की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप किए बिना जांच की निगरानी करे। मामले की प्रकृति और जिस तरीके से एफआईआर दर्ज की गई है, उसे देखते हुए, यह न्यायालय को यह विश्वास नहीं दिलाता कि यदि मामले की निगरानी नहीं की जाती है, तो पुलिस न्याय के हित में और कानून के अनुसार निष्पक्ष जांच करेगी।

न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि उसके 14 मई के आदेश को सभी न्यायिक, अर्ध-न्यायिक और जांच उद्देश्यों के लिए एफआईआर के हिस्से के रूप में पढ़ा जाएगा। इस बीच विजय शाह ने उच्च न्यायालय के 14 मई के आदेश को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। शीर्ष न्यायालय ने उन्हें कोई अंतरिम राहत देने या उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। लेकिन, कहा कि वह मामले की सुनवाई करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदार होना चाहिए। जब यह देश ऐसी स्थिति में गुजर रहा है, तो उसे पता होना चाहिए कि वह क्या कह रहा है। सिर्फ इसलिए कि आप एक मंत्री है। उच्च न्यायालय के समक्ष सरकार की ओर से यह भी आश्वासन दिया है कि राज्य का न्यायालय के आदेशों का पालन करने का हर इरादा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्च न्यायालय राज्य को इस तरह संदेह की दृष्टि से देख रहा है। राज्य के महाधिवक्ता ने कहा, ''मुझे थोड़ा दुख है। राज्य को शक से न देखें। चार घंटे के भीतर हमने काम पूरा कर लिया। हम अभी भी अनुपालन के लिए तैयार है। न्यायालय ने कहा कि हम समय पर सवाल नहीं उठा रहे हैं, पर हम एफआईआर से संतुष्ट नहीं हैं।

आतंक पर 'भारूद', राजनीति में ठंडा दिमाग गरम लहू

सरयूसुत मिश्रा

सिंदूर के सम्मान के लिए राम - रावण युद्ध और महाभारत देश का इतिहास है. यही इतिहास ऑपरेशन सिंदूर में दोहराया गया है. स्त्री के सम्मान की रक्षा और सिंदूर के बदले आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर बारूद बन गया. सिर्फ बाईस मिनिट में सिंदूर के साथ मिलकर 'भारुद' के बारूद ने आतंक के ठिकानों को धुंआ-धुंआ कर दिया..!!

यह ऑपरेशन अभी चल रहा है. पाकिस्तान के अनुरोध पर रुकी सैन्य कार्रवाई के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने बीकानेर में अपनी पहली आमसभा में भारत के सिंदूर को जो मान दिया वह आतंक को तो नेस्तनाबूद करेगी ही लेकिन भारतीय राजनीति की इससे दिशा भी बदलेगी. इस दिशा का पहला चरण बीकानेर में दिखा है और दूसरा चरण भोपाल में महिला सम्मेलन में दिखाई पड़ेगा.

पीएम मोदी अगर कह रहे हैं कि, ऑपरेशन सिंदूर ने बारूद बनकर आतंकवादियों के ठिकाने को तबाह कर दिया, जो भारत का लहू बहाने निकले थे, वह घरों में दुबके हुए हैं. मोदी भारत के लोगों को तो संदेश दे ही रहे थे, लेकिन वह दुनिया को भी भारत का संकल्प बता रहे थे. पाकिस्तान तो निशाने पर था ही, चीन और अमेरिका भी उनकी सर्जिकल स्पीच पर नजर बनाए हुए हैं.

आतंक के विरुद्ध युद्ध भारत के न्याय का यह नया स्वरूप है. पीएम मोदी का आतंक के खिलाफ आक्रोश साफ झलक रहा था. उन्होंने कहा मोदी का दिमाग ठंडा लेकिन लहू गर्म रहता है. अब तो मोदी की नसों में सिंदूर बह रहा है. यह वाक्य हर भारतीय नारी की भावनाओं को छू गया है. कोई बात भारतीय भावनाओं से जुड़े और उस पर राजनीतिक विवाद ना हो, ऐसी तो कल्पना नहीं करना ही ठीक होगा.

राहुल गांधी तुरंत सामने आए. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कह दिया कि मोदी का लहू मीडिया के सामने ही क्यों गर्म होता है. उनके वही पुराने सवाल, जो घुमा फिरा कर भारत की जीत पर संदेह उत्पन्न करते हैं. राहुल ने पोस्ट किया तो फिर सोशल मीडिया पर वार शुरू हो गया. कुछ कहा जाए और उस पर प्रतिक्रिया ना हो तो फिर कही गई बात असरकारी नहीं मानी जाती.

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग पब्लिक ऑपिनियन नहीं है. यह सब सोशल मीडिया मैनेजमेंट का हिस्सा होता है. इसके लिए राजनीतिक दल और नेता लाखों रुपए खर्च करते हैं. सोशल मीडिया कमेंट्स इंडिया को प्रतिबिम्बित करते हैं. भारत इससे पूरी तरह से कटा हुआ रहता है. जनता की समझ और सोशल मीडिया के कमेंटस में बहुत दूरी होती है. कांग्रेस सोशल मीडिया पर तो कभी भी हारती नहीं है लेकिन जनता के बीच में जीतना उसके लिए टेढ़ी खीर है.

संसद और विधानसभा में महिलाओं का आरक्षण अगले आम चुनाव के पहले लागू होना है. कानून बन चुका है. वूमेनलेड डेवलपमेंट की अवधारणा पर बीजेपी सरकार योजनावद्ध तरीके से काम कर रही है. ऑपरेशन सिंदूर नारी सम्मान के इसी प्रयास का एक चरण है. हर क्षेत्र में आज नारी शक्ति न केवल बराबरी के साथ खड़ी है बल्कि नेतृत्व प्रदान कर रही है.

ऑपरेशन सिंदूर ने इसे एक नया मुकाम दिया है. अब केवल सेना में ही ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा नहीं होगी बल्कि राजनीति और प्रशासन के दूसरे क्षेत्रों में भी ऑपरेशन सिंदूर के परिणाम दिखाई पड़ेंगे. एक नारी परिवार बनाती है, व्यक्तित्व गढ़ती है. जब वह हर क्षेत्र में नेतृत्व करेगी तो फिर देश का व्यक्तित्व भी सुधरेगा.

भोपाल में विशाल महिला सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है. इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी शामिल हो रहे हैं. ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत के सिंदूर की प्रतीक महिला सम्मेलन में वह आ रहे हैं तो निश्चित रूप से ऑपरेशन सिंदूर की बात होगी. उसकी सफलता की बात होगी और भविष्य के आपरेशन की दिशा भी मिलेगी. ऐसा कहा जा रहा है कि इस सम्मेलन का पूरा नेतृत्व महिलाएं ही करेंगी. पूरा मंच और सम्मेलन महिलाओं को समर्पित होगा. मतलब ऑपरेशन सिंदूर का यह भारतीय फेस होगा.

पीएम मोदी की स्पीच से यह तो साफ हो गया हैकि, कुछ बड़ी प्लानिंग हो रही है. ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा फेस कभी भी देखने को मिल सकता है. भारत सरकार की ओर से पाक अधिकृत कश्मीर को खाली करने के लिए पाकिस्तान को खुली चुनौती देना, ऑपरेशन सिंदूर के फ्यूचर प्लान का संकेत है. नसों में बहता सिंदूर यही बता रहा है कि, आतंक के खिलाफ महाभारत होगा.

सैन्य कार्रवाई रुकने पर जो सवाल खड़े किए जा रहे हैं उनके जवाब भविष्य के गर्भ में है. ऑपरेशन सिंदूर की पूर्णता पर यह सारे जवाब मिल जाएंगे. ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सोशल मीडिया पर कमेंट्स कई बार आपत्तिजनक सीमाएं भी क्रॉस कर देते हैं. यह सभी प्लेटफॉर्मस गलत और सही का मिश्रण बने हुए हैं. जो ट्रोलिंग और ट्रेंडिंग होती है वह सब प्लेंड होती है. इसकी कोई राष्ट्रीय सीमाएं नहीं है. कई बार दूसरे देशों से ऐसे कमेंटस प्रायोजित किए जाते हैं.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

हमारी सेना पर हमें गर्व है और उनको प्रणाम करते उनको नमन करते हैं-पशुपालन राज्यमंत्री

दमोह। भारतीय सेना पर पूरा विश्वास है पूरा भारत सेना साथ है आज ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता व देश के वीर सैनिकों के सम्मान में प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री लखन पटेल, सांसद राहुल सिंह लोधी की गरिमामय मौजूदगी में आज पथरिया में तिरंगा यात्रा निकाली गईद्य इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, विभिन्न संगठनो, गणमान्य नागरिक, महिलाएं और युवा तथा अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

कांग्रेस ने राज्यपाल एवं कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष परेश नागर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को राज्यपाल व कलेक्टर के नाम

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर कहा है कि नगर में चार दिन की अतिक्रमण मुहिम में 250 लोगों के कब्जे तोड़ दिए गए, जिससे एक हजार लोग बेरोजगार हो गए। ज्ञापन में कहा कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कि कार्यवाही करना उचित है, लेकिन नगर परिषद द्वारा बिना कोई वेकल्पिक व्यवस्था किए बिना अतिक्रमण की कार्यवाही की गई है, जिसमें लगभग 250 दुकानों को जेसीबी के द्वारा तोड दिया गया है, दुकानें तोडने से भी गरीब लोगों का लाखों का नुकसान हुआ। जो अपनी दो बक्त कि रोजी-रोटी इन्हीं दुकानों से चलाते थे, ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले 25 वर्ष से नगर परिषद के द्वारा नगर में किसी प्रकार की दुकानों का निर्माण कार्य नहीं किया गया है और जिसके कारण लोगों ने अपनी दुकानें शासकीय भूमि पर लगाना चालू कर दिया था। कभी नगर परिषद पिछले 25 वर्ष में हर पंचवर्षय में दुकानों का निर्मिण कार्य करती तो अतिक्रमण कि स्थित उत्पन्न नहीं होती, जनता जनप्रतिनिधि इसलिए चुनती है कि वह जनता कि लिए कोई कार्य योजना बनाए, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधियों ने बिना कोई कार्ययोजना बनाए एवं विकल्पिक व्यवस्था किए गरीब लोगों की दुकानें तोड़ दी।

सीईओ जिला पंचायत ने सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास का निरीक्षण किया

मंडला। सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने ग्राम खैरी में बनाए गए सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास भवन का निरीक्षण किया। भवन में फर्नीचर एवं फिनीशिंग का कार्य किया जा रहा है, उपस्थित अधिकारियों से प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि सभी कार्यों का बारीकि से निरीक्षण करें। भवन के पीछे की ओर बाऊँड्रीवॉल का निर्माण कराएं। आवास कक्षों में बनाई जा रही आलमारी एवं अन्य फर्नीचर की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। स्मार्ट क्लास रूम में बेहतर इलेक्ट्रीफिकेशन कराएं।

छोटी आदतों की प्रभावी शक्ति लाएगी बड़ा बदलाव

(प्रवीण कक्कड़)

क्या आप भी अपने जीवन में बड़ा बदलाव चाहते हैं? तो यह लेख आपके लिये है। हमारे जीवन में बड़ा बदलाव अचानक नहीं आता, बल्कि यह हमारे छोटे-छोटे प्रयासों का नतीजा होता है। जी हाँ, एक दिन में किए गए बड़े बदलाव से कहीं ज़्यादा शक्तिशाली है हर दिन किया गया छोटा प्रयास। किसी पहाड़ की चोटी पर पहुंचना है तो एक-एक कदम बढ़ाना होगा। अपनी उन छोटी आदतों पर काम करें, जो आपको आपके बड़े लक्ष्य तक ले जाएंगी।

किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है शुरूआत। अपनी शुरूआत को इतना आसान बनाएं कि ना कहने का म नही न करें। जैसे रोज किताब का एक पेज पढ़ना या महज 200 मीटर वॉकिंग। कई बार आपके घर का माहौल भी मैजिक की तरह काम करता है, जैसे किताबों को हमेशा सामने रखना और किचन से जंक फुड बाहर करके केवल हेल्दी खाना रखना। इसके साथ ही आपको निरंतरता के सिद्धांत पर अटल रहना होगा। जो भी काम शुरू करें उस पर लगे रहें।

सिस्टम बनाएं, सिर्फ लक्ष्य नहीं

सफलता का रास्ता बड़े-बड़े लक्ष्यों को तय करने से नहीं, बल्कि सही सिस्टम बनाने से होकर गुज़रता है। उदाहरण के लिए फिट रहना है तो सिर्फ ÷वजन कम÷ करने का लक्ष्य नहीं, बल्कि ÷रोज व्यायाम÷ करने का सिस्टम बनाएं। ÷रोज़ 20 मिनट टहलने या व्यायाम करने का

जीत का मंत्रः आसान शुरुआत, लगातार प्रयास

सिस्टम÷ बनाना ज़्यादा इसलिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि जब आप एक मज़बूत सिस्टम बनाते हैं, तो लक्ष्य अपने आप हासिल होते चले जाते हैं।

आदतों को आसान बनाएं-5-मिनट नियम

किसी भी नई आदत को शुरू करना अक्सर मुश्किल लगता है, लेकिन इसे बेहद आसान बनाया जा सकता है। 5-मिनट नियम कहता है कि किसी भी नई आदत को इतना सरल बनाओ कि उसे शुरू करने में आपको महज़ पाँच मिनट या उससे भी कम लगें। सोचिए, रोज़ सिर्फ़ एक पेज किताब पढ़ना या बस 3 मिनट स्ट्रेचिंग करना। ये छोटी शुरुआतें ही आपकी आदतों को मज़बूत और टिकाऊ बनाती हैं। जब आप छोटे कदम उठाते हैं, तो प्रतिरोध कम होता है और आप आसानी से शुरुआत कर पाते हैं।

अपने माहौल को ढालें

आपकी सफलता की राह आपके आस-पास के माहौल से बहुत प्रभावित होती है। अगर आप स्वस्थ खाना चाहते हैं, तो अपने किचन और फ्रिज में सिर्फ़ ताजे और स्वस्थ विकल्प रखें और अस्वस्थ चीज़ों को हटा दें। अगर आप ज़्यादा पढ़ना चाहते हैं, तो किताबों को अपने सामने, आसानी से पहुँचने वाली जगह पर रखें। अपने वातावरण को अपने लक्ष्यों के हिसाब से ढालना अच्छी आदतों को अपनाने और बुरी आदतों को छोड़ने में बेहद मददगार साबित होता है।

स्वयं में सुधार पर करें फ़ोकस

हम अक्सर दूसरों से अपनी तुलना करते हैं, लेकिन यह हमें निराशा के सिवा कुछ नहीं देता। किसी और से खुद को कंपेयर करने की जगह, स्वयं में सुधार पर फ़ोकस करें। यदि आप रोज़ बस 1त्न बेहतर बनते हैं, तो एक साल में आप खुद का एक बिल्कुल नया और बेहतरीन वर्जन बन जाएंगे। यह 1त्न सुधार की शक्ति ही है जो समय के साथ अविश्वसनीय परिणाम देती है।

निरंतरता ही कुंजी है

किसी भी काम में सफल होने के लिए निरंतरता सबसे महत्वपूर्ण है। एक बार जो प्रयास शुरू करें, उसमें लगे रहें। आप पाएंगे कि यह धीरे-धीरे आपकी आदत बन जाएगा और फिर इसे निभाना आसान हो जाएगा। याद रखें, एक या दो दिन का ब्रेक आपको पूरी तरह पटरी से नहीं उतारता, महत्वपूर्ण यह है कि आप फिर से शुरुआत करें और ट्रैक पर वापस आएं।

अपनी छोटी जीतों का करें जश्न

अपनी हर छोटी उपलब्धि का जश्न मनाना न भूलें। जब आप अपनी प्रगति देखते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आपकी अगली जीत की भूख और भी तेज़ हो जाती है। यह सकारात्मक सुदृढीकरण आपको प्रेरित रखता है और आपको अपनी आदतों को बनाए रखने के लिए ऊर्जा देता है।

पहचान बदलें, आदतें अपने आप बदलेंगी

अपनी पहचान बदलकर आदतें बदली जा सकती हैं। ÷मैं व्यायाम करना चाहता हूँ कहने के बजाय, जब आप यह मानना शुरू करते हैं कि मैं एक फिट और स्वस्थ व्यक्ति हूँ, तो व्यायाम करना आपके लिए स्वाभाविक हो जाता है। जब आपकी आदतें आपकी पहचान का हिस्सा बन जाती हैं, तो उन्हें निभाना आसान और सहज हो जाता है।

आप जो बार-बार करते हैं, वही आपका भविष्य बनाता है। बड़े सपने छोटी आदतों से ही पूरे होते हैं। सफलता कोई अचानक मिलने वाला परिणाम नहीं है, बल्कि यह छोटे, लगातार और सोचे-समझे प्रयासों का नतीजा है। तो, आज से ही अपनी उन छोटी आदतों पर काम करना शुरू करें, जो आपको आपके बड़े लक्ष्यों तक ले जाएंगी।

मध्यांचल उत्सव-2025: दिल्ली में रहने वाले मप्र के मूल निवासी छात्रों से रूबरू हुए नरेंद्र सिंह तोमर, वीडी शर्मा, पत्रकार आलोक मेहता

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्विद्यालय में मध्यांचल स्टूडेंट असोसिएशन द्वारा आयोजित मध्यांचल उत्सव-2025 में मध्य प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, अनुसूचित जाति राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य, वरिष्ठ संपादक आलोक मेहता, जे एन यू की प्रोफेसर अंशु जोशी ने दिल्ली में रहने वाले मध्य प्रदेश के मूल निवासी छात्रों को भविष्य में मध्य प्रदेश के शिक्षा तथा सामाजिक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया।

संयोजक गोविंद डांगी ने बताया कि जे एन यू में करीब 3500 छात्र मध्य प्रदेश के हैं। पूरे दिल्ली में प्रदेश के अब करीब आठ हज़ार से अधिक छात्र हैं। यह गौरव की बात है। संगठन आपसी सहयोग बढ़ाने और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित कर रहा है। वक्ताओं ने कहा कि हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हमारा प्रदेश भारत का हृदयस्थल होने के साथ ही सांस्कृतिक, प्राकृतिक, धार्मिक और राजनीतिक दृष्टि से लोगों के मन में अपनी अनूठी छाप छोडता है। यही कारण है कि दुनियाभर के पर्यटकों के लिए मध्य प्रदेश विशिष्ट स्थान रखता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के निर्माण की दृष्टि से मध्य प्रदेश अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मध्य प्रदेश के मूल निवासी होने के नाते हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि यहाँ की विरासत को संवारने के साथ ही प्रदेश के विकास में भी अपना योगदान दें।

इस अवसर पर छात्रों द्वारा तैयार मध्य प्रदेश संबंधी शोध लेखों की पत्रिका मध्यांचल का लोकार्पण भी किया गया।

विनीत तिवारी को योग और आध्यात्मिक आनंद पर शोध के लिए पीएच डी

गंजबासौदा । सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल के शोधार्थी विनीत कुमार तिवारी ने अपने शोध कार्य आध्यात्मिक आनंद प्राप्ति में योग की भूमिका के लिए पीएच . डी .की उपाधि प्राप्त की है। विश्वविद्यालय द्वारा इसकी आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

विनीत के इस शोध का मार्गदर्शन प्रोफेसर डॉ. मंजू शर्मा ने किया। उनके निर्देशन में विनीत ने वेदों, उपनिषदों, श्रीमद्भगवद्गीता, पतंजलि योग दर्शन, बौद्ध दर्शन और जैन दर्शन में वर्णित योग के सिद्धांतों का गहन अध्ययन व विश्लेषण किया । शोध में इन दार्शनिक परंपराओं में निहित योग साधनाओं को आध्यात्मिक आनंद प्राप्ति के सशक्त माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया गया है। विनीत ने अपनी उपलब्धि पर कहा, योग मेरे लिए एक जीवन दर्शन है, जो न केवल व्यक्तिगत विकास का बल्कि शारीरिक , मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण का भी आधार है। मैं चाहता हूँ कि यह शोध लोगों को योग के प्रति प्रेरित करे और भारतीय दर्शन की समृद्धिशाली परम्परा को विश्व पटल पर ले जाए। मैं अपनी गाइड प्रोफेसर डॉ. मंजू शर्मा एवं विश्वविद्यालय परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिनके विशेष मार्गदर्शन से यह शोध कार्य संपन्न हो सका है । सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ एन के तिवारी ने इस उपलब्धि पर विनीत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह शोध योग और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है , यह शोध न केवल अकादमिक जगत में, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर भी योग के महत्व को रेखांकित करता है । यह शोध भारतीय दर्शन और योग की वैश्विक प्रासंगिकता को दर्शाते हुए , समाज में सुख ,शांति और आनंद की स्थापना के लिए एक प्रेरणादायक कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 122 वां एपिसोड का प्रसारण धार में सुना

मन की बात कार्यक्रम को राज्यपाल ,केंद्रीय मंत्री, कैबिनेट मंत्री समेत भाजपा जिलाध्यक्ष ने सामूहिक श्रवण किया

धार। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 122 वे एपिसोड के लाइव प्रसारण को राज्यपाल माननीय मंगुभाई पटेल जी धार नगर के विक्रम सभागृह, पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में बूथ क्रमांक 46 पर उपस्थित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी तन्मयता पूर्वक रविवार को सुना।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार सांसद सावित्री ठाकुर, केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके, प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा आयुष विभाग मंत्री इंदर सिंह परमार , राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, मन की बात कार्यक्रम प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ राघवेंद्र शर्मा ,भाजपा संभाग संगठन प्रभारी राघवेंद्र गौतम,धार जिलाध्यक्ष निलेश भारती , जिलाध्यक्ष धार ग्रामीण चंचल पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा पूर्व मंत्री रंजना बघेल नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि,अधिकारी एवं मातृशक्ति उपस्थित रहें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात÷ कार्यक्रम में पहलगाम हमले के पश्चात शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने देश का मस्तक गर्व से ऊँचा किया है। इसके माध्यम से हमारे सुरक्षाबलों ने अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ाने के लिए देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने वेस्ट मैटेरियल रीसाइक्लिंग की आवश्यकता पर बल देते हुए नागरिकों से अपील की कि वे पर्यावरण-संवेदनशीलता को अपनाते हुए पुनर्चक्रण को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, ताकि एक स्वच्छ और सतत भविष्य का निर्माण किया जा सके। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

25 परिवारों के निकलने के लिए पशु विभाग से 12 फीट का रोड दिलाया जायेगा: ललिता यादव

छतरपुर। शिल्पशला मार्ग वार्ड 10 में पशु चिकित्सा विभाग द्वारा अपनी जमीन को चारो तरफ से घेरने के लिए बनाई जा रही बाउण्ड्रीबाल से 25 परिवारों के निकलने के लिए कोई रास्ता नही रहेगा। इस समस्या को लेकर पीड़ित परिवार के लोग छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव के पास एक साथ पहुंचकर रास्ता बंद होने की बात बताई। इस पर छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव सभी के साथ मौके पर पहुंची और उनकी समस्या की जटिलता पर तत्काल पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से बात की जिस पर 12 फुट का रास्ता देने की सहमति बन गई। इस समस्या के समाधान पर पीड़ितजनों ने छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव के प्रति आभार व्यक्त किया । पीड़ितजनों में कांग्रेस नेता राजेश महतों भी शामिल रहे। इस दौरान छतरपुर भाजपा जिला महामंत्री सुरेंद्र चौरसिया भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, वार्ड 10 के पार्षद प्रतिनिधि नीरज भार्गव सहित भारी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहें।

एसबीआई फाउंडेशन और पहल जन सहयोग विकास संस्थान के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दमोह। एसबीआई फाउंडेशन और पहल जन सहयोग विकास संस्थान के सहयोग से ग्राम पंचायत तिपनी तहसील तेंदूखेड़ा में स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारियों की रोकथाम और उपचार के प्रीति जागरूकता फैलाना था शिविर में डॉक्टरों ने 197 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया और उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया इसके अतिरिक्त 72 लोगों का पैथोलॉजिकल परीक्षण भी किया गया जिससे उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का गहराई से विश्लेषण और उपचार सुनिश्चित किया जा सके शिविर में डॉ एस. एन. गुप्ता और डॉ प्रज्ञा अवस्थी ने अपनी सेवाएं प्रदान की जिनके समर्पण और मेहनत ने शिविर को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। एसबीआई संजीवनी की टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा जिसमें मनीष खरे प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, लखन पटेल फार्मासिस्ट, लक्ष्मी दहायत नर्स मेंटर, गोविन्द सिंह लैब टेक्नीशियन, संजय बर्मन उपस्थित रहे।

सेना का अपमान देश की गरिमा पर प्रहार, मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करें: हिना कांवरे

सागर/ मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की बहादुर अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई अशोभनीय, अपमानजनक और महिला विरोधी टिप्पणी ने पूरे देश की भावनाओं को गहराई से आहत किया है। कांग्रेस पार्टी उनके इस बयान की घोर निंदा करती है और इसे केवल एक महिला अधिकारी नहीं, पूरे भारतीय सैन्य बल और 140 करोड़ नागरिकों की गरिमा पर हमला मानती है। यह बात मध्यप्रदेश विधानसभा की उपाध्यक्ष रही हिना कावरे ने आज यहां पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी द्वारा आयोजित इस पत्रकार वार्ता में जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष डॉ आनंद अहिरवार, पीसीसी के जिला प्रभारी -पूर्व विधायक घनश्याम सिंह, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की महासचिव रेखा चौधरी, पूर्व विधायक सुनील जैन, पूर्व निगम अध्यक्ष त्रिलोकी नाथ कटारे, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक विशेष रूप से उपस्थित थे। पत्रकार वार्ता का संचालन जिला प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी तथा आभार प्रदर्शन अवधेश तोमर ने किया।

पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावेरी ने कहा कि जबलपुर हाईकोर्ट की खंडपीठ न्यायमूर्ति श्री धरन और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला ने मंत्री विजय शाह के शर्मनाक बयान पर स्वतः संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश सरकार को चार घंटे में स्त्रढ्ढक्र दर्ज करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस निर्देश के बावजूद पुलिस ने स्त्रढ्ढक्र दर्ज करने में जानबूझकर देरी की। जिस पर कोर्ट ने कठोर टिप्पणी करते हुए इसे %दोषपूर्ण प्रशासनिक रवैया÷ बताया और राज्य सरकार की नीयत पर भी प्रश्नचिन्ह लगाए हैं। उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय के दबाव के बाद पुलिस ने मंत्री विजय शाह पर ढ्ढक्र 152-देश की संप्रभुता को खतरे में डालना, ढ्ढक्र 196 (1) (ङ्ख) - धर्म या समुदाय के बीच वैमनस्य फैलाना, ढ्ढक्र 197(1)(ष्ठ) - आपतिजनक और घृणास्पद भाषण देना जैसी संगीन धाराओं पर केस दर्ज किया है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी:

पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी विजय शाह के बयान को %गटर% स्तर की भाषा बताते हुए कहा, ÷पूरा देश इस बयान से शर्मिंदा है।

डबल अपमानः उपमुख्यमंत्री व विदेश मंत्री के बयानों से भी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा शर्मसार

विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष सुश्री हिना कांवरे ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह के बाद उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का बयान भी बेहद आपत्तिजनक है। जिसमें उन्होंने कहा है कि जल, थल, वायु सेना मोदी के आगे नतमस्तक है। उनका यह बयान एक व्यक्ति की पूजा में देश की सेनाओं का सार्वजनिक अपमान है तथा संवैधानिक संस्थाओं को व्यक्ति पूजा की बलि चढ़ाने की मानसिकता दर्शाता है।

विदेश मंत्री का आत्मघाती बयान

मोदी सरकार में विदेश मंत्री जयशंकर के कथन ÷हमने 7 मई को पाकिस्तान को बता दिया था कि हम केवल आतंकवादियों के अड्डों पर हमला करेंगे, सैन्य ठिकानों पर नहीं। उनका यह बयान रणनीतिक विफलता और दुश्मन को अग्रिम चेतावनी देकर भारतीय सेना के ऑपरेशन को निष्फल करने का कार्य है। भारत के पड़ोसी देश जैसे नेपाल, श्रीलंका, भूटान,

बांग्लादेश भी तटस्थ रहे। रूस जैसा देश जो सदैव भारत के साथ रहा वह भी तठस्थ रहा। यह भारत की कूटनीतिक असफलता का प्रमाण है।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा द्वारा महिलाओं को सहानुभूति देने के बजाय किया अपमान

सुश्री हिना कांवरे ने कहा कि बीजेपी से राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा भी इस बदजुबानी की प्रतिस्पर्धा में सामने आए हैं। अपना सुहाग खोने वाली महिलाओं के लिए इस कठिन दौर में उनके द्वारा बोले गए शब्दो ने पीड़ित महिलाओं को सहानुभूति देने की बजाय उनका अपमान किया है।

उन्होंने कहा कि उक्त पूरे घटनाक्रम में सेना और महिला अधिकारी के स्पष्ट अपमान से पूरे देश का हर नागरिक आहत और शर्मिन्दा है। लेकिन इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह व प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की चुप्पी यह साबित करती है कि उनके इशारों पर ही मंत्री विजय शाह व उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा जैसे प्रदेश और देश के कई भाजपा नेता महिलाओं व सेना का अपमान कर रहे है। भाजपा नेताओं की इन शर्मनाक गतिविधियों पर कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को अविलंब मंत्रिपद से बर्खास्त किया जाए व उपमुख्यमंत्री देवड़ा व विदेश मंत्री जयशंकर, राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगडा से सफाई ली जाए तथा उनके द्वारा इस कृत्य पर सार्वजनिक माफी मांगी जाए।

कांग्रेस पार्टी यह भी मांग करती है कि प्रधानमंत्री स्वयं देश को यह भरोसा दिलाएं कि भारत की सेना का सम्मान किसी दलगत राजनीति से ऊपर है। इसके अलावा इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए। विधानसभा पूर्व उपाध्यक्ष हिना कावरे ने कहा कि कांग्रेस स्पष्ट करना चाहती है कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति या दल से नहीं, बल्कि देश की गरिमा, सेना के सम्मान और राष्ट्र की प्रतिष्ठा की रक्षा की लड़ाई है। हम संसद से सड़क तक यह सवाल उठाएंगे। देश की संप्रभुता से बड़ा कोई मुद्दा नहीं, कांग्रेसजन देश के गौरव की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ें - हिना कांवरेपूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना कांवरे के सागर प्रवास के दौरान जिला शहर कांग्रेस कार्यालय पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने गर्म जोशी के साथ उनका स्वागत किया।

इस दौरान उन्होंने पार्टी जनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय देश के लिए चुनौती पूर्ण है। देश के स्वाभिमान, संप्रभुता और गरिमा से बड़ा कोई मुद्दा इस समय देश में नहीं है। उन्होंने कांग्रेसजनों से आवाहन किया कि भाजपा और इसके नेताओं द्वारा अपनी बदजुबानी से जिस तरह से देश की एकता अखंडता संप्रभुता और यहां की सेना व महिलाओं का अपमान किया जा रहा है इसके खिलाफ पूरी ताकत से लड़ाई लड़ें और देश के स्वाभिमान की रक्षा करें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेत्री माधवी चौधरी नेता प्रतिपक्ष बाबू सिंह बब्बू यादव शैलेंद्र तोमर दीनदयाल तिवारी डॉ दिनेश पटेरिया, सुरेंद्र सुहाने पप्पू गुप्ता सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे व महेश जाटव पार्षद रिचा सिंह एनएसयूआई अध्यक्ष अक्षत कोठारी प्रदेश महासचिव शाहरुख खान रिंकू पार्षद प्रतिनिधि चमन अंसारी, नितिन पचौरी, रेखा सोनी हीरालाल चौधरी, समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।

नारायण सेवा संस्थान का निःशुल्क कृत्रिम अंग माप शिविर, 402 दिव्यांगों के अंधकारमय जीवन में लाएगा नई रोशनी

इंदौर । मानव सेवा को समर्पित नारायण सेवा संस्थान एक बार फिर अपने सेवा कार्यों से समाज को प्रेरित करते हुए रविवार को इंदौर के गुरु अमरदास बैम्प्ट हॉल में निःशुल्क ऑपरेशन जांच-चयन और नारायण लिंब व केलिपर्स माप केम्प का आयोजन किया। शिविर में प्रदेशभर से आए 350 दिव्यांगजनों का लाभ के लिए चयन किया। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि हमारा उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना है। यह शिविर न केवल अंग प्रदान करता है, बल्कि उनके जीवन में उम्मीद और उजाले की नई शुरुआत करता है। यह शिविर उन लोगों के लिए आशा की किरण बनकर आया है जो किसी दुर्घटना, बीमारी या जन्म से अंगहीनता जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। शिविर में आधुनिक तकनीकों द्वारा निर्मित कृत्रिम हाथ-पैर का माप लिया गया।दो माह बाद इन्हें एक नया आत्मविश्वास और स्वतंत्र जीवन जीने की दिशा में सहायता मिलेगी। इस शिविर का उद्घाटन पूज्य जैन संत अभिग्रहधारी श्री राजेश मुनि जी महाराज के सानिध्य में मुख्य अतिथि इंदौर मेयर पुष्पमित्र भार्गव और विशिष्ट अतिथि समाजसेवी पारस कटारिया, डॉ अनिल भंडारी, टिकम चंद गर्ग, विष्णु जिंदल,मनीष यादव, मनोरमा माहेश्वरी, डॉ शरद दोषी,ललित जैन, आनंदी लाल लोढ़ा,वीरेंद्र कुमार, अजय जैन एवं संरक्षक महेश अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर दिव्यांगों, उनके परिजनों और इंदौर के सम्मानित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मेयर भार्गव ने कहा यह शिविर सैकड़ों परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने वाला है। इस सेवा कार्य की जितनी सराहना की जाए कम है।यह शिविर न केवल शरीर का सहारा देता है, बल्कि आत्मा को भी संबल प्रदान करता है। मैं संस्थान की सेवाएं देखकर अभिभूत हूँ।

वह खूनी है या फिर कोई खेल खेल रही है? इस राज को सुलझाने के लिए देखिए हंगामा टीवी की नई सीरीज 'मोना की मनोहर कहानियां'

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंटप्लैटफॉर्म में शुमार 'हंगामा ओटीटी' ने 22 मई 2025 को अपनी नई ओरिजनल सीरीज 'मोना की मनोहर कहानियां' के रिलीज की घोषणा की। एक मर्डर की पहेली के इर्द-गिर्द बुनी गई यह सीरीज एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है जो दर्शकों को शक, सच के साथ हेर-फेर करने और धोखे से भरी दुनिया में ले जाती है। इस सीरीज को साकेत यादव ने डाइरेक्ट किया है। इसे प्रोड्यूस किया है राजवीर आहूजा और सचिन शिंदे ने। इस सीरीज के मुख्य किरदारों में नजर आएंगे सृष्टिरोडे, अंकुरनैय्यरऔरडेज़ीबोपन्ना। 'मोना की मनोहर कहानियां' की कहानी इंटेरोगेशनरूम (पूछताछ कक्ष) की चार-दीवारी में ही सिमटी है। यह सीरीज इंस्पेक्टर पवन (अंकुर नैय्यर) की मोना (सृष्टिरोडे) से की जाने वाली पूछताछ पर केंद्रित है। एक मर्डर के मामले में सबसे ज़्यादा शक के घेरे में मोना ही है। मोना की कहानी सच और झूठ के बीच झूलती है। एक सामान्य पूछताछ जल्द ही एक बड़े अपराध की ओर ले जाती है। मोना जो भी कहानी सुनाती है उसे सुनकर पवन एक अजीब-सी साइकोलॉजिकल भूलभुलैया में फंसने लगता है। पवन यह तय नहीं कर पाता है कि मोना ही खूनी है या फिर वह कोई खेल खेल रही है। इस केस की वजह से पवन और उसकी पत्नी (डेज़ीबोपन्ना) का वैवाहिक जीवन बिखरने लगता है और मोना का खतरनाक जादू सर चढ़कर बोलने लगता है। कहानी के इस मोड़ पर दर्शक अंदाजा लगाने लगते हैं कि कौन चीजों को कंट्रोल कर रहा है और कौन चीजों से खेल रहा है।

पीआईजीएल को 24.77 करोड़ का रीपीट ऑर्डर,उदयपुर एयर टर्मिनल भरोसेमंद विशेषज्ञता से सशक्त

अहमदाबाद, एजेंसी। पावर एंड इंस्ट्रुमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड जो विद्युत ठेकेदारी और उपकरण उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक है, ने 24.77 करोड़ के एक दोहराए गए कार्यादेश की प्राप्ति की घोषणा की है। यह ऑर्डर उदयपुर एयर टर्मिनल, राजस्थान में एक संपूर्ण विद्युत आपूर्ति प्रणाली के डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और ग्राहक को हस्तांतरण से संबंधित है। यह अनुबंध न्याती इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया है, जो पावर एंड इंस्ट्रुमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड की निष्पादन क्षमताओं में उनके निरंतर विश्वास को दर्शाता है। इस ऑर्डर का दोहराया जाना कंपनी की निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन और जटिल, बड़े पैमाने की विद्युत अधोसंरचना परियोजनाओं, विशेषकर हवाई अड्डों जैसे उच्च सुरक्षा और उच्च सटीकता वाले वातावरण में काम करने की विशेषज्ञता को रेखांकित करता है।यह ऑर्डर उसी ग्राहक से 5 मई 2025 को प्राप्त हुए एक पिछले कार्यादेश के बाद आया है, जो दोनों कंपनियों के बीच मजबूत और निरंतर साझेदारी को दर्शाता है। परियोजना का दायरा एक बार फिर से डिज़ाइन से लेकर ग्राहक को अंतिम रूप से हस्तांतरित करने तक की पूरी प्रक्रिया को शामिल करता है, जो कंपनी की एकीकृत सेवा डिलीवरी क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।इस परियोजना की पूर्णता समयसीमा छह महीने निर्धारित की गई है। पावर एंड इंस्ट्रुमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड हवाई अड्डा अधोसंरचना क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को लगातार विस्तारित कर रही है। इस प्रकार की तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण और समय-संवेदनशील परियोजनाओं का सफल निष्पादन यह दर्शाता है कि कंपनी कड़े परिचालन और नियामक ढांचे के तहत महत्वपूर्ण अधोसंरचना प्रदान करने में निरंतर दक्षता प्राप्त कर रही है।

सस्ते में मिलेगा सैटेलाइट इंटरनेट, TRAI की कीमत को लेकर सिफारिशें, Jio, एयरटेल और Vi की बढ़ सकती है टेंशन

मुंबई, एजेंसी। ब्रॉडबैंड और मोबाइल इंटरनेट को टक्कर देने के लिए सैटेलाइट इंटरनेट की शुरुआत जल्द भारत में हो सकती है। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की ओर से इस वायरलेस नेटवर्क सर्विस की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिसका नेटवर्क स्पेस में स्थित से सैटेलाइट से यूजर्स के डिवाइस तक पहुंच सकेगा। इस सुविधा का सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण

क्षेत्र और उन क्षेत्र के लोगों के लिए बताया जा रहा है जो ऐसी जगह रहते हैं जहां नेटवर्क के सिग्नल नहीं आते हैं या नेटवर्क टावर है ही नहीं। हाल ही में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने सैटेलाइट इंटरनेट स्पेक्ट्रम के रेट को लेकर सिफारिशें लगाई हैं जिसके बाद स्टारलिंक के सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की शुरुआती कीमत काफी कम हो सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का अनलिमिटेड डेटा वाला सैटेलाइट इंटरनेट प्लान करीब 840 रुपये प्रति माह के साथ हो सकता है। हालांकि, स्टारलिंक के हार्डवेयर की कीमत अधिक हो सकती है। जानकारी के लिए बता दें कि भारत में स्टारलिंक के सैटेलाइट इंटरनेट प्लान की मंथली कीमत सस्ती हो सकती है लेकिन एक रिपोर्ट में हार्डवेयर की कीमत को अधिक बताया जा रहा है जो भारतीय यूजर्स की जेब पर भार डाल सकती है। दरअसल, दुनियाभर में हार्डवेयर किट का रेट 250 डॉलर यानी लगभग 21,300 रुपये से 380 डॉलर यानी लगभग 32,400 रुपये के करीब है, जोकि भारतीय यूजर्स के लिए एक बड़ा खर्चा हो सकता है। दरअसल, भारत में सैटेलाइट इंटरनेट के प्लान को सस्ते में लाने का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी ओर खींचना है। रिलायंस जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया समेत अन्य टेलीकॉम कंपनी के ग्राहक भारत में सस्ते रिचार्ज प्लान का फायदा उठा रहे हैं और अनलिमिटेड डेटा भी बेहद कम में इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, अगर एलन मस्क के स्टारलिंक की ओर से अनलिमिटेड डेटा के लिए हर महीने 840 रुपये का भुगतान लिया गया, तो करोड़ ग्राहक इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए आगे बढ़ सकते हैं। अधिक यूजर्स के साथ कंपनी द्वारा अपने महंगे सैटेलाइट इंटरनेट के सेटअप और स्पेक्ट्रम लागत को कवर करना आसान हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, दो बच्चों के बाद भी महिला मातृत्व अवकाश की हकदार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि मातृत्व अवकाश महिलाओं के लिए सिर्फ एक सुविधा नहीं है। बल्कि, हर महिला कर्मचारी का यह मौलिक अधिकार है। कोर्ट ने यह फैसला एक ऐसी याचिका पर सुनाया जिसमें नियमों की आड़ में एक महिला को मातृत्व अवकाश से वंचित कर दिया गया था। यह मामला तमिलनाडु की सरकारी शिक्षिका उमा देवी से जुड़ा है। उन्होंने दूसरी शादी के बाद एक बच्चे को जन्म दिया। लेकिन, शिक्षा विभाग ने यह कहकर मातृत्व अवकाश देने से इनकार कर दिया कि उनके पास पहली शादी से पहले ही दो बच्चे हैं। राज्य के नियमों के अनुसार केवल पहले दो बच्चों पर ही मातृत्व अवकाश दिया जाता है।

उमा देवी ने इस फैसले को न्याय के खिलाफ बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने बताया कि उन्हें पहली शादी के समय हुए बच्चों पर भी कभी मातृत्व अवकाश नहीं मिला था। याचिका में कहा गया कि सरकारी सेवा में आने के बाद यह उनका पहला बच्चा था। जिस पर उन्हें अवकाश मिलना चाहिए। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने यह मामला सुनते हुए कहा कि मातृत्व अवकाश किसी भी महिला के प्रजनन अधिकार से जुड़ा हुआ है, जो उसके मौलिक अधिकारों में शामिल है। किसी भी संस्थान को यह अधिकार नहीं कि वह महिला को उसके मातृत्व अधिकारों से वंचित करे। सुप्रीम कोर्ट का साफ संदेश दिया कि महिलाओं को अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि मातृत्व अवकाश कर्मचारी का संवैधानिक और कानूनी अधिकार है। यह निर्णय सिर्फ उमा देवी के लिए नहीं, बल्कि उन तमाम महिलाओं के लिए मिसाल है, जिन्हें नियमों के नाम पर अधिकार से वंचित किया जाता है।

देश में मातृत्व अवकाश से जुड़े कानूनों में 2017 में बड़ा संशोधन किया गया था। पहले 12 सप्ताह की छुट्टी मिलती थी, जिसे बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया। यह सुविधा सभी सरकारी और कई निजी संस्थानों में कार्यरत महिलाओं को दी जाती है। पहले दो बच्चों के जन्म पर यह अवकाश पूर्ण रूप से लागू होता है। गोद लेने वाली माताओं को भी 12 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलता है, जो बच्चे को सौंपे जाने की तिथि से गिना जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के निर्णयों में भी यह स्पष्ट किया कि मातृत्व अवकाश का अधिकार महिला की नौकरी की प्रकृति पर निर्भर नहीं करता। फिर चाहे वह संविदा पर हो, स्थायी हो या प्रोबेशन पर। हर महिला को यह अधिकार समान रूप से प्राप्त होना चाहिए। यह निर्णय महिलाओं के कार्यस्थल पर समानता और गरिमा सुनिश्चित करने की दिशा में एक और बड़ा कदम है। यह स्पष्ट संदेश है कि प्रजनन, मातृत्व और कार्यस्थल अधिकार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह फैसला उन सभी सरकारी और निजी संस्थानों के लिए चेतावनी है, जो मातृत्व से जुड़े अधिकारों को लेकर नियमों का गलत उपयोग करते हैं। अब यह स्पष्ट है कि यदि कोई महिला पहले मातृत्व अवकाश नहीं ले सकी, तो उसे नए बच्चे के लिए छुट्टी से इनकार नहीं किया जा सकता।

ओपनिंग वेल में शेयर मार्केट ने भरी रॉकेट सी रफ्तार

मुंबई, एजेंसी। चालू हफ्ते के पहले दिन सोमवार 26 मई को शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी का रुख देखा गया। बाजार खुलते ही सेंसेक्स और निफ्टी ने सरपट दौड़ लगाई। मार्केट खुलने के साथ ही सेंसेक्स में जहां 600 पॉइंट तक की तेजी रही, तो निफ्टी भी 25,000 पॉइंट के लेवल को पार कर गया। बीएसई का 30 शेयर का इंडेक्स Sense& 81,928.95 अंक पर खुला, जबकि देखते ही देखते सुबह 9 बजकर 30 मिनट से पहले इसने 82,397.60 अंक के हाई लेवल को छू लिया।

एनएसई के 50 शेयर के इंडेक्स Nift4 50 में भी तेजी दिखी। निफ्टी की शुरुआत 24,919.35 अंक पर हुई और इसने भी सुबह साढ़े नौ बजे से पहले 25,055.95 पॉइंट के हाई लेवल को टच किया।

स्टेट चेप्टर मीटिंग में साइबर ठगी को लेकर किया जागरूक

भोपाल। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सभी माइक्रोफाइनेंस स्मॉल फाइनेंस बैंक एनबीएफसी और बैंकों के स्टेट हेड और जोनल हेड्स के साथ माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क के नेतृत्व में स्टेट चैप्टर मीटिंग का आयोजन रायपुर के सयाजी होटल में किया गया स्टेट चैप्टर मीटिंग में छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के सभी हेड सम्मिलित रहे और उन्होंने सभी फील्ड समस्याओं पर चर्चा की । छत्तीसगढ़ पुलिस साइबर सेल की टीम ने साइबर सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता फैलाने के लिए छत्तीसगढ़ में संचालित सभी संस्थानों को भी जागरूक किया। छत्तीसगढ़ में करीब 15 लाख माइक्रो फाइनेंस संस्थानों के ग्राहक जो कि गरीब आदिवासी महिलाएं हैं, जो साइबर अपराधियों का शिकार बनती हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस की साइबर सेल शाखा ने गरीब आदिवासी महिलाओं को साइबर ठगी से खुद को बचाने के तरीके के बारे में प्रशिक्षण दिया और सभी से आग्रह किया कि वे अपने फील्ड स्टाफ के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के सभी गांव में जाकर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से सुरक्षा संबंधी जागरूकता फैलाए । स्टेट चैप्टर मीटिंग में एम फिन के वाइस प्रेसिडेंट धीरज सोनी साइबर सेल शाखा से चिंतामणि साहू, पूर्व अतिरिक्त पुलिस राजीव शर्मा,पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बी.बी. शर्मा सहित साइबर सेल शाखा में पदस्थ पुलिस कर्मी एवं छत्तीसगढ़ के माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के स्टेटस संमिलित हुए।

छत्तीसगढ़ में बनेगा 92 किमी लंबा एक्सप्रेसवे, 3 जिलों के स्थानीय विकास को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई भारतमाला परियोजना देशभर में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल बनकर सामने आई है। इस योजना के तहत न केवल बड़े शहरों को आपस में जोड़ा जा रहा है, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच व्यापार, परिवहन और संपर्क को भी नई दिशा मिल रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में दुर्ग-रायपुर-आरंग एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जो राज्य की राजधानी रायपुर और औद्योगिक नगरी दुर्ग को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी से जोड़ेगा।

यह एक्सप्रेसवे 92 किलोमीटर लंबा होगा और यह दुर्ग से शुरू होकर अंजोरा, पटोरा, सुपकोना, अभनपुर, नया रायपुर होते हुए आरंग तक जाएगा। इस मार्ग के निर्माण में दुर्ग, रायपुर और बलौदाबाजार जिलों की भूमि शामिल है, जिससे इन जिलों की आर्थिक और भौगोलिक स्थिति में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। एक्सप्रेसवे बनने के बाद ट्रैफिक की भीड़ कम होगी, ईंधन की बचत होगी और सफर का समय घटेगा। साथ ही आसपास के ग्रामीण इलाकों को शहरी बाजारों से जोड़कर स्थानीय व्यापार और कृषि उत्पादों के वितरण में सहूलियत मिलेगी।

इस परियोजना के लिए 2,330 किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमानुसार की गई है ताकि किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो। प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा समय पर प्रदान किया गया है और इसके साथ ही भूमि के दस्तावेजों की वैधता और सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए रजिस्ट्री प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई है।

जमीन की खरीद-बिक्री पर आंशिक छूट

दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जानकारी दी कि जहां-जहां भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां केंद्रीय लाइन से 100 मीटर की दूरी तक जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटा दी गई है। वहीं, जिन गांवों में अभी अधिग्रहण लंबित है, वहां अस्थायी रूप से रोक जारी है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने बताया कि कुछ गांवों में अधिग्रहण पूरा हो चुका है और वहां निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है।

दुर्ग-रायपुर-आरंग एक्सप्रेसवे केवल एक हाईवे नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि निवेश के नए अवसर, स्थानीय व्यवसाय का विस्तार, और रोजगार के नए साधन भी पैदा होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के बेहतर नेटवर्क से कृषि और कुटीर उद्योग को भी व्यापक लाभ मिलेगा।

सिग्नोरिया की एफवाय25 में राजस्व में शानदार 39 प्रतिशत वृद्धि!

जयपुर। महिलाओं के परिधान उद्योग में अग्रणी नाम, सिग्नोरिया क्रिएशन लिमिटेड ने अपनी एच2 एफवाय25 और एफवाय25 के ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। सिग्नोरिया क्रिएशन लिमिटेड के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री वासुदेव अग्रवाल ने कहा, हमें एच2 और पूरे एफवाय25 वर्ष के लिए मजबूत प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है, जो हमारे मुख्य क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि को दर्शाता है। गुणवत्ता, डिजाइन नवाचार और बाजार की प्रतिक्रिया पर हमारा लगातार ध्यान हमें प्रीमियम महिला वस्त्र क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और गहरा करने में मदद करता है। साल भर में, हमने अपने उत्पादों की रेंज को विस्तार दिया है, जो आधुनिक महिलाओं के लिए सुरुचिपूर्ण, कालातीत और बहुपयोगी डिज़ाइनों को प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्टाइल और उपयोगिता के समन्वय की हमारी क्षमता ने हमारे लक्षित ग्राहकों के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित किया है, जिससे प्रतिस्पर्धी परिधान बाजार में हमारी मौजूदगी और मजबूत हुई है। भविष्य में, हम अपने कलेक्शन्स को और बेहतर बनाने, अपनी पहुंच का विस्तार करने और सिग्नोरिया ब्रांड को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर केंद्रित रहेंगे। डिजाइन और तकनीक में हमारे निरंतर निवेश से हमें उत्कृष्ट मूल्य प्रदान करने और ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी, जिससे कंपनी की दीर्घकालिक वृद्धि सुनिश्चित होगी।

एचवीएएक्स टेक्नोलॉजीज़ ने एफवाय25 में 30 प्रतिशत की मजबूत शुद्ध लाभ वृद्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी। एचवीएएक्स टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड जो कि क्लीनरूम इन्फ्रास्ट्रक्चर, एचवीएसी सिस्टम्स और इंजीनियरिंग परामर्श में विशेषज्ञता रखने वाली एक टर्नकी फार्मास्युटिकल प्रोजेक्ट इंटीग्रेटर कंपनी है, ने एच2 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। चवीएएक्स टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड के चेयरमैन और पूर्णकालिक निदेशक श्री निर्भयनारायण सिंह ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा एफवाय25 एचवीएएक्स टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड के लिए एक परिवर्तनकारी और निर्णायक वर्ष रहा है। यह अवधि कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों, संचालन संबंधी प्रगति और रणनीतिक पहलों से चिह्नित रही – जो गुणवत्ता, नवाचार और दीर्घकालिक मूल्य सृजन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता से प्रेरित थी। इस वर्ष की एक बड़ी उपलब्धि एचवीएएक्स का नेशनल स्टॉक अदला-बदली पर सफलतापूर्वक सूचीबद्ध होना रहा। यह मील का पत्थर कंपनी की दृश्यता को बढ़ाता है, विकास के नए रास्ते खोलता है और संस्थागत विश्वास को मजबूत करता है। साथ ही यह अधिक उत्तरदायित्व भी लाता है, जिसे एचवीएएक्स अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ अपना रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, एचवीएएक्स ने दोहराए गए ऑर्डर और नए ग्राहकों की प्राप्ति के माध्यम से अपने पदचिह्न का विस्तार जारी रखा, जिससे यह साबित हुआ कि कंपनी जटिल और नियंत्रित बाजारों में सेवा देने में सक्षम है। कंपनी ने डिजिटल सिस्टम, प्रक्रिया स्वचालन और क्षमता निर्माण में भी निवेश किया है ताकि अपनी दीर्घकालिक निष्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ किया जा सके। एचवीएएक्स की टीमों ने चुस्ती और पेशेवरता का प्रदर्शन किया, जिससे कंपनी ग्राहकों की अपेक्षाओं से लगातार आगे निकलती रही और अपने नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखने में सफल रही। आगे की दिशा को लेकर प्रबंधन कंपनी की रणनीतिक दिशा पर पूर्ण विश्वास रखता है। क्षमताओं को बढ़ाने, सहयोगात्मक साझेदारियों की खोज करने और सटीकता, विश्वसनीयता तथा नवाचार के माध्यम से निरंतर मूल्य प्रदान करने की योजनाएँ तैयार हैं।

एचवीएएक्स टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री प्रयागदत्त मिश्रा ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, एफवाय25 में ह्रस्व पर हमारी सूचीबद्धता एचवीएएक्स टेक्नोलॉजीज़ के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो न केवल हमारी वृद्धि का प्रतीक है, बल्कि पारदर्शिता और संचालनात्मक अनुशासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। यह उपलब्धि हमारे विस्तार के अगले चरण की नींव रखती है।पूरे वर्ष के दौरान, हम क्लीनरूम और नियंत्रित पर्यावरण इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में एकीकृत, अनुपालन और तकनीकी दृष्टि से मजबूत समाधान प्रदान करने पर केंद्रित रहे। इसके साथ ही, हमने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण प्रगति की।

हमारी रणनीतिक पहलों के हिस्से के रूप में, हम स्वास्थ्य सेवा, सौर ऊर्जा, सेमीकंडक्टर जैसी विभिन्न उद्योगों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं, ताकि उनके क्लीनरूम-समर्थित इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी योगदान दिया जा सके। आंतरिक रूप से, हम नियामक क्षेत्रों की विकसित होती मांगों को पूरा करने के लिए सिस्टम, प्रतिभा और परियोजना योजना में निवेश करके अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहे हैं। आगे की दिशा में, हमारी रणनीति निष्पादन-प्रेरित रहेगी और उद्योग की बढ़ती आवश्यकता के साथ दृढ़ता से संरेखित रहेगी, जिसमें सटीकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता की मांग है।

प्रगति साथी - जहां हर सपना पाता है एक सच्चा साथी

धीरज दुबे और उनकी टीम का समर्पित प्रयास - आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की ओर एक पवित्र पहल

भोपाल। कुछ काम व्यवसाय के लिए होते हैं और कुछ सेवा के लिए। 'प्रगति साथी' उन्हीं दुर्लभ पहलों में से एक है, जो सिर्फ फायदे के लिए नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की बुनियाद को मजबूत करने के लिए शुरू की गई थी। इस पहल के पीछे हैं धीरज दुबे - एक ऐसे इंसान जिन्होंने अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया है दूसरों की ज़िंदगी आसान बनाना।

एक सोच, जो सेवा बन गई

धीरज दुबे ने गाँव के माहौल और किसानों की कठिनाइयों को बहुत करीब से महसूस किया है। उन्हें समझ में आया कि ज़्यादातर लोग योजनाओं की जानकारी और सही मार्गदर्शन के अभाव में अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पाते।

इसी सोच को हकीकत में बदलने के लिए उन्होंने अपने दो पेशेवर साथियों - सीए नेहा वर्मा और सीएस प्रिया जैन के साथ मिलकर 'प्रगति साथी' की शुरुआत की।

जब सेवा बनती है संकल्प

'प्रगति साथी' का मकसद सिर्फ कागज़ों को भरना या लोन दिलवाना नहीं है। यह एक ऐसी संस्था है जो सच्चे मन से उन लोगों के लिए काम कर रही है, जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, लेकिन आत्मनिर्भर बनने का जज़्बा रखते हैं।

चाहे वह किसान हो, बेरोज़गार युवा हो या कोई महिला जो घर बैठे कुछ करना चाहती है–हर किसी को सही योजना, दस्तावेज़ी सहायता, ट्रेनिंग और बैंक से लोन तक का सहयोग पूरी ईमानदारी से दिया जाता है।

नतीजे जो खुद गवाही देते हैं

आज प्रगति साथी के माध्यम से:-

- 100 से अधिक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ (फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स) ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू हो चुकी हैं,
- 150 से अधिक पशुपालन आधारित व्यवसाय आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुके हैं,
- और अनेक स्टार्टअप्स छोटे पैमाने पर शुरू होकर अब बड़े ब्रांड बन रहे हैं।

यह सब संभव हुआ है सिर्फ मार्गदर्शन से नहीं, बल्कि ज़मीन पर साथ खड़े रहने की सोच से।

महिलाओं को मिली पहचान, युवाओं को मिला रास्ता

धीरज दुबे और उनकी टीम गाँव-गाँव जाकर जागरूकता शिविर लगाते हैं। पंचायतों में बैठकर ग्रामीण महिलाओं को स्वरोज़गार के लिए प्रेरित करते हैं। आज उनकी प्रेरणा से कई महिलाएं घरेलू उत्पाद बनाकर उन्हें ब्रांड की तरह बाज़ार में बेच रही हैं।

एक पवित्र प्रयास, जो हर किसी के लिए है

धीरज दुबे का स्पष्ट कहना है–÷अगर आप कुछ करना चाहते हैं, पर आपके पास संसाधन नहीं हैं, तो हम आपके साथ हैं। हम आपका सिर्फ मार्गदर्शन नहीं करते, बल्कि आपके सफर में हर मोड़ पर आपके साथ चलते हैं।÷

उनका यह प्रयास केवल एक कंसल्टेंसी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की चुपचाप चल रही एक क्रांति है।

प्रगति साथी, एम.पी. नगर, ज़ोन-1, भोपाल
मोबाइल-7987646520

25 साल बाद पदयात्रा पर शिवराज सिंह चौहान

सीहोर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बार फिर पदयात्रा की परंपरा को जीवित करते हुए 25 साल बाद रविवार को सीहोर जिले के लाड़कुई गांव से अपनी नई पदयात्रा की शुरुआत की। पहले दिन उन्होंने भादाकुई और छिंदगांवमौजी गांव तक लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पैदल तय की। इस पदयात्रा में उनकी पत्नी साधना सिंह, पुत्र कार्तिकेय चौहान और पुत्रवधु अमानत चौहान भी साथ चले। पदयात्रा के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर, मैं मंत्री होकर पैदल चल सकता हूं, तो आप भी अपने गांव के लिए कुछ कर सकते हैं। गांव को विकसित करना ही हमारे विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करेगा। उन्होंने 1991 में भी विदिशा जिले से पदयात्रा की थी, जिसके चलते उन्हें पांव-पांव वाले भैया की पहचान मिली थी। इस बार भी ग्रामीणों ने इसी नाम से उनका स्वागत किया।

वीर शनि पिपलेश्वर धाम बनाया जाएगा सूर्य के पुत्र का जन्म उत्सव

छिंदवाड़ा। वीर शनि पिपलेश्वर धाम मंदिर में भगवान श्री शनिदेव जी का जन्मोत्सव आगामी मंगलवार, 27 मई 2025 को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। वीर शनि पिपलेश्वर धाम मंदिर में रखा गया है, जिसमें पूजन कार्य सुबह 11॰51 बजे से विधिवत प्रारंभ होगा। आयोजन समिति के अनुसार यह तिथि शनि जयंती के पावन अवसर पर विशेष पूजन, अभिषेक एवं भंडारे एवं देवी जागरण के साथ मनाई जाएगी।कार्यक्रम में गणेश पूजन, महामहादेव का पूजन,मंदिर प्रांगण में स्थित अन्य देवताओं की पूजा और विशेष रूप से शनिदेव जी का तिल तेल से अभिषेक किया जाएगा। पूजन का सम्पादन पंडित श्री तिवारी जी के द्वारा किया जाएगा।इसके उपरांत भक्तों के लिए महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन सांय 6 बजे से किया जाएगा एवं देवी जागरण के कार्यक्रम विभिन्न प्रकार की झांकी एवं आयोजन समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

पानी सप्लाई हुई बाधित, 4 वार्डों में 7 से 8 दिन से नहीं आया पानी

परासिया। विधानसभा क्षेत्र नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 1,2,3,4 में लगभग 7 से 8 दिनों से पानी सप्लाई

नहीं हो रहा है जिसके कारण इन वार्डों में पानी की भारी समस्या उत्पन्न हो गई आमजनों ने और वार्ड क्रमांक 4 के आमजनों जब इसकी समस्या नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह को बताया तो उन्होंने तत्काल मुख्य नगरपालिका अधिकारी से और इंजीनियर से बात की उन्होंने बताया की पेंच नदी में ट्रांसफार्मर चलने और बिजली की समस्या और लाईट न होने के कारण यह स्थिति बनी तत्काल उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी और इंजीनियर से व्यवस्था बनाने को कहा और उन्होंने वार्ड क्रमांक 2 रुक्मा बसोड के पार्षद के साथ पेंच नदी डेम और सप्लाई टंकी पहुंचे जहां उन्होंने व्यवस्था बनवाई और पानी को सुचारू किया उन्होंने तत्काल फील्टर प्लांट पानी भेजकर शहर इन वार्डों पानी चालू करने को कहा नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा की लगभग 4 से 5 दिनों से ट्रांसफार्मर जलने और लाईट व्यवस्था न होने से पेन नदी का पानी शहर में फिल्टर प्लांट से सप्लाई होता है मगर शहर 7 में 8 दिनों पानी दे आ रहा है भाजपा की परिषद को जनता की समस्या से कोई लेना-देना नहीं है।

कांग्रेस सेवादल द्वारा शहीद स्मारक पर झंडावंदन कर शहीदों को याद किया

छिन्दवाड़ा। जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष सुरेश कपाले ने बताया कि आज कांग्रेस सेवादल के द्वारा

शहीद स्मारक पर माह के अंतिम रविवार 25 मई 2025 को परंपरा अनुसार देश की स्वतंत्रता पर अपने प्राण निछावर करने वाले शहीदों को याद करने के उद्देश्य से झंडा वंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में झंडावंदन किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुये पुष्पेन्द्र चौधरी ने कहा कि यह परंपरा देश की बहुत पुरानी परंपरा है और इस परंपरा को 1929 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के द्वारा प्रारंभ की गयी थी। देश की आजादी के उपरांत भी कांग्रेस सेवादल के द्वारा इस परंपरा को निभाया जा रहा है, यह गर्व की बात है। माह के अंतिम रविवार को कांग्रेस सेवादल द्वारा शहीद स्मारक पर झंडावंदन किये जाने का मुख्य उद्देश्य शहीदों को याद करना है, और उन्होनें अपने बयान में आगे कहा कि आने वाले बारिस के मौसम में पर्यावरण को दुरूस्त करने के लिये कांग्रेस सेवादल एवं किसान प्रकोष्ठ जिले भर में वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण को बनाये रखने का कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

31 मई से आयोजित होगी क्रिकेट प्रतियोगिता आदिवासी प्रीमियर लीग

छिंदवाड़ा। नगर निगम छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके द्वारा आदिवासी प्रीमियर लीग का आयोजन स्थानीय इनर ग्राउंड में किया जा रहा है। लीग के आयोजक महापौर विक्रम अहके ने बताया कि दिनांक 31 मई को सुबह 09 बजे से आयोजित होने वाली इस लीग में आदिवासी वर्ग के युवाओं को क्रिकेट प्रतियोगिता के माध्यम से प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें विजेता टीम को 31,000 रुपए जबकि उपविजेता टीम को नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य आकर्षक पुरस्कार मेन ऑफ द टूर्नामेंट, बेस्ट बैटर, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर एवं सभी मैच में मेन ऑफ द मैच के पुरस्कार वितरित किए जाएगा। इस प्रतियोगिता के आयोजन के मुख्य अतिथि सांसद बंटी विवेक साहू, संरक्षक पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उईके, कार्यक्रम अध्यक्ष जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव एवं अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह, विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर शीलेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अजय पांडे होंगे। इस प्रतियोगिता में तहसील, उपतहसील एवं अन्य सहित कुल 16 टीम भाग लेकर अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी।

मप्र वन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष बने अजय शिवहरे

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश वन कर्मचारी संघ भोपाल के प्रांताध्यक्ष निर्मल तिवारी द्वारा प्रदेश के नव नियुक्त अध्यक्ष एवं अधिकारी जिनमें 54 पदाधिकारियों की सूची दिनांक 23.03.2025 को जारी की गई। वहीं संघ के कर्मठ पदाधिकारी जिला सचिव के पद पर रहते हुये वन कर्मचारियों की जमीनी स्तर की लड़ाई श्री शिवहरे द्वारा लड़ी गई जिसमें उन्होने कई सफलता भी प्राप्त की। वहीं अनेकों कर्मचारी संगठनों ने श्री शिवहरे को वन कर्मचारी के जिलाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई दी एवं खुशी जताई वहीं प्रांताध्यक्ष का आभार व्यक्त किया है।

भारतीय सेना के सम्मान में गूंजे नारे

शौर्य सम्मान यात्रा निकली, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग, मातृशक्तियों ने भी लिया भाग

छिंदवाड़ा। पहलगाम में हुए आतंकवादियों द्वारा नृशंस हत्या किये जाने पर मासूम लोगों की जान जाने पर भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादी हमले को करारा जवाब दिया और यह पूरी तरह मातृशक्तियों को समर्पित है और भारतीय सेना का समर्थन और अभिनंदन करने के कलए और देश के इस वीरतापूर्ण कदम का समर्थन करने हेतु छिंदवाड़ा नगर में शौर्य सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने भी भाग लिया। शौर्य सम्मान यात्रा और रैली कलेक्टोरेट ऑफिस के सामने से श्यामाप्रसाद मुखर्जी मैदान से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होकर वापस प्रारंभ स्थल पर समापन हुआ। शाम 5 बजे निकली शौर्य सम्मान यात्रा में जिला भाजपा के अध्यक्ष शेषराव यादव, सांसद बंटी विवेक साहू और भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। शौर्य सम्मान यात्रा में भाजपा माता के जयकारों के नारे गूंज रहे थे। भारतीय सेना के शौर्य पर प्रशंसा करते नारे लगे, आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय सेना के प्रति सम्मान और उनके शौर्य की प्रशंसा के लिए निकली शौर्य सम्मान यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई और उन्होने ने भारतीय सेना के सम्मान में नारे लगाए।

मैं भारतीय सेना के अदम्य साहस वीरता को प्रणाम करता हूंः शेषराव

भाजपा जिलाध्यक्ष ने लोधी समाज सदस्यों के साथ देखी मन की बात का 122 वा एपिसोड

छिंदवाड़ा। जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने आमंत्रित लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा के अतिथियों एवं भाजपा नेताओं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनजागरण वाले मार्गदर्शी कार्यक्रम मन की बात के 122 वे एपिसोड का प्रसारण सुबह 11 बजे देखा।मन की बाद कार्यक्रम के उपरान्त भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि आज के एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया कि किस प्रकार हमारे देश की सेना ने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। भारतीय सेना की इस सफलता पर पूरे देश में निकाली जा रही तिरंगा यात्राओं ने देश की सेनाओं का मनोबल तो बढ़ाया ही है साथ ही देश के लोगों में भक्ति के जज्बे को और मजबूत किया है। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि मैं भारतीय सेना अदम्य साहस और वीरता को प्रणाम करता हूं। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एपिसोड में जो कहा वह एक सर्वमान्य सत्य है कि जो खेलता है वही खिलता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहे थे कि स्वस्थ मस्तिष्क का विकास खेल मैदानों में होता है। श्री यादव ने कहा कि जो सुबह उठते हैं और खेल मैदानों में पहुंचते हैं, अपने पसंदीदा खेल को खेलते हैं वे दूसरों को अपेक्षा अधिक स्वस्थ और एकाग्रचित होते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि महापुरुषों के अलावा बिना किसी गतिविधि के कोई भी व्यक्ति 1 घंटे ध्यान लगाकर एकाग्रचित नहीं रह सकता लेकिन खेल ध्यान लगाने की और मस्तिष्क को शांत करने की ऐसी विधा है जिसमें व्यक्ति को बिना कोई अतिरिक्त प्रयास करे ध्यान एकाग्र हो जाता है और उस समय खिलाड़ी पूरी दुनिया को भूलकर अपने खेल को ही याद रखता है। उन्होंने कहा कि खेल ध्यान करने का सर्वोत्तम तरीका है।

पुलिस ने 118 वारंटियों को किया गिरफ्तार

पुलिस का कॉम्बिंग आपरेशन अवैध शराब जब्त आरोपियों पर कार्रवाई

छिंदवाड़ा। प्रदेश स्तरीय रात्रि काम्बिंग गश्त के संबंध में पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियो की निरंतरज धरपकड़ व अवैध कार्यो में संलिप्त व्यक्तियों / अपराधियों तथा अपराधों पर अंकुश लगाने व जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पांडे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के द्वारा विशेष ऑपरेशन चलाकर निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश पर रात्रि में शहर व देहात के थाना क्षेत्रो पर कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान कॉम्बिंग गस्त अनुभागवार पुलिस बल को अलग अलग स्थानो पर एकत्रित किया जाकर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा पुलिस बल को ब्रीफ किया गया उसके बाद अलग अलग क्षेत्रो में कॉम्बिंग गस्त के लिये रवाना किया गया।पुलिस टीम द्वारा स्थायी/गिरफ्तारी वारंटियो की धरपकड़ हेतु प्रत्येक थाने में अलग-अलग पुलिस टीम तैयार कर वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तकनीकी शाखा (सायबर सेल) के सहयोग एवं नाकाबंदी / दबिश देकर एक ही रात्रि में औचक नाईट काम्बिंग ऑपरेशन चलाकर 20 स्थाई व 98 गिरफ्तारी, इस प्रकार कुल 118 वारंटियो को दबिश घेराबंदी नाकाबंदी कर गिरफ्तार किया गया, सभी गिरफ्तारशुदा वारंटियों को मान. न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। अवैध शराब की तस्करी/ खुले स्थान शराब पीने वाले 35 व्यक्तियों से 985 लीटर अवैध शराब जप्त कर आरोपीयों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही की गई।पुलिस टीमों द्वारा इस अभियान के दौरान कई सक्रिय बदमाशो के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकार्ड को अपडेट किया गया।

सामुदायिक पुलिसिंग और नवाचारों से बदली जनता की सोच पुलिस चौकी धरमटेकडी परिसर में किया पौधरोपण

छिंदवाड़ा। जिले की धर्मटेकड़ी पुलिस चौकी ने अपने सतत प्रयासों, जनहितकारी नवाचारों और सामुदायिक पुलिसिंग की भावना के साथ एक नई मिसाल कायम की है। पुलिस अधीक्षक श्री अजय पाण्डेय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आयुष गुप्ता के नेतृत्व में आज चौकी परिसर में पुलिस कप्?तान जिला पुलिस अधीक्षक, अति. पुलिस अधीक्षक व पुलिस स्?टॉप के द्वारा 51 पौधे लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर सीएसपी छिंदवाड़ा श्री अजय राणा, थाना प्रभारी श्री मनोज बघेल एवं चौकी प्रभारी एसआई श्री राजेश साहू सहित समस्त पुलिस स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही। धर्मटेकड़ी पुलिस चौकी को आदर्श चौकी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से अनेक नवाचार किए गए हैं। इनमें *वृक्षारोपण, आगंतुकों हेतु शुद्ध पेयजल व्यवस्था, बैठने की समुचित सुविधा, व्यवस्थित रिकॉर्ड संधारण, असाािजिक तत्वों पर प्रभावी कार्यवाही, स्वच्छता एवं अनुशासन के मानक प्रमुख हैं। जहाँ आम जनमानस में प्रायः पुलिस थानों और चौकियों को लेकर पूर्वग्रह की भावना देखी जाती है, वहीं धर्मटेकड़ी चौकी प्रभारी एवं स्टॉफ ने अपने साफ-सुथरे प्रबंधन, नागरिकों के प्रति सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार एवं जनसहयोग की भावना से लोगों की धारणा को बदला है। जनता ने इस चौकी को एक आदर्श पुलिस चौकी के रूप में स्वीकार करते हुए पुलिस अधीक्षक एवं टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बैतूल विधायक खंडेलवाल को शिक्षकों ने समस्याओं से अवगत कराया, सौंपा ज्ञापन

वरिष्ठता और क्रमोन्नति को लेकर मुख्यमंत्री से मिलेंगे शिक्षक

सांध्य प्रकाश बैतूल। विधायक हेमंत खंडेलवाल से शिक्षक संवर्ग के प्रतिनिधियों ने भेंट कर उनकी समस्याओं से अवगत कराया। बैठक के दौरान आगामी 28 मई को सारणी आगमन के अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलने हेतु समय मांगा गया है। इस दौरान नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपे जाने की बात भी सामने आई। शिक्षक प्रतिनिधियों ने विधायक श्री खंडेलवाल को ज्ञापन देकर हुए बताया कि क्रमोन्नति के आदेश लंबित हैं। विशेष रूप से 24 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बावजूद कई शिक्षकों की क्रमोन्नति के आदेश जारी नहीं हो सके हैं। इस संबंध में शीघ्र निर्णय लेने और आदेश जारी करवाने की मांग की गई है। इसके साथ ही आदिम जाति कल्याण विभाग में उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर भी चर्चा की गई। इस विषय में श्री खंडेलवाल ने आदिम जाति कल्याण विभाग की आयुक्त से चर्चा कर शीघ्र प्रक्रिया प्रारंभ करवाने का आश्वासन दिया। स्थानीय समस्याओं को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई और उन्हें विधायक के माध्यम से समाधान के लिए संबंधित विभागों तक पहुंचाने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर रवि सरनेकर, राजेंद्र कटारे, मनीष नारे, गंगाराम घुडाले, बडोरा मंडल अध्यक्ष उमाशंकर (नीतू पटेल) और विवेक जावलकर उपस्थित रहे।

खनिज विभाग ने रेत गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 2 ट्रैक्टर 1 डंपर किया जप्त

सांध्य प्रकाश बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खनिज विभाग द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिला खनिज अधिकारी मनीष पालेवार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दिनांक 22 मई को तहसील बैतूल के ग्राम मलकापुर में खनिज रेत का अवैध परिवहन कर रहे वाहन सोनालिका ट्रेक्टर को जप्त कर थाना गंज बैतूल की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। इसी प्रकार 24 मई को तहसील शाहपुर क्षेत्र के ग्राम बरेठा से खनिज रेत का अवैध परिवहन कर रहे वाहन स्वराज ट्रेक्टर को जप्त कर थाना शाहपुर की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। एवं ग्राम नीमपानी से खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे वाहन डम्पर क्रमांक स्ब्ब्#8त1990 को जप्त कर थाना गंज बैतूल की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है।

कृषि उद्योग समागम के दौरान नरसिंहपुर में यातायात व्यवस्था बदली

नरसिंहपुर, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी मौजूदगी में कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम 26 मई को नरसिंहपुर में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के शामिल होने के लिए कृषकगण को नरसिंहपुर एवं आसपास के जिलों से आने वाले वाहनों से कार्यक्रम स्थल तक पहुंच मार्ग के लिए पुलिस प्रशासन नरसिंहपुर द्वारा आवश्यक व्यवस्था की गई है।

जबलपुर, सिवनी, मंडला व डिण्डोरी से दादा महाराज- खमतरा तिराहा एनएच 44 के निर्माणाधीन पुल के नीचे से रेलवे स्टेशन परशुराम तिराहा होकर मंडी चौराहा पहुंचेगी। छिंदवाड़ा से सिंहपुर चौराहा एनएच 44 फ्लाई ओव्हर के नीचे से दाहिनी ओर से खमतरा तिराहा एनएच 44 निर्माणाधीन पुल के बायी ओर से रेलवे स्टेशन, परशुराम तिराहा होकर मंडी चौराहा पहुंचेगी। रायसेन, सागर एवं दमोह- करेली, खैरीनाका, गुलाब चौक, गांधी चौक, सुभाष चौक, आष्टांग तिराहा, सांकल तिराहा से इंडियन ढाबा होते हुए मंडी चौक पहुंचेगी।

उक्त सभी जिलों से आने वाले हितग्राहियों को स्थानीय मंडी चौराहे पर उतारा जायेगा। जहां से कार्यक्रम स्थल की दूरी 100 मीटर है। उक्त स्थान से सभी कृषकगण को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने में यातायात पुलिस नरसिंहपुर सहायता करेगी।

यात्री बसों का डायवर्सन व्यवस्था समय सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक

नरसिंहपुर शहर से प्रतिदिन गाडरवारा, सागर, सिवनी, जबलपुर एवं छिंदवाड़ा आने- जाने वाली बसें जो नवीन बस स्टैंड से संचालित होती है, सभी बसों का संचालन उक्त समय में नरसिंहपुर शहर में पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

वैकल्पिक मार्ग

जबलपुर, सिवनी से नरसिंहपुर आने- जाने वाली बसों का संचालन प्रकाश लूनावत एचपी पेट्रोल पंप के पास एनएच 44 से रहेगा। छिंदवाड़ा से नरसिंहपुर आने- जाने वाली बसों का संचालन एनएच 44 सिंहपुर चौराहे फ्लाई ओव्हर के पास से रहेगा। गाडरवारा, सागर एवं राजमार्ग चौराहे से नरसिंहपुर आने- जाने वाली बसों का संचालन चावरा विद्यापीठ के पास से रहेगा। सभी प्रकार के दो पहिया, चार पहिया, मालवाहक एवं व्यवसायिक वाहन सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक मुशरान पार्क से रेलवे स्टेशन तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। नरसिंहपुर शहर में मुशरान पार्क से सुभाष चौक मेन रोड पर यातायात का अत्याधिक दबाव होने से सभी प्रकार के भारी वाहनों का नरसिंहपुर शहर में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

वैकल्पिक मार्ग

उक्त समय में सभी प्रकार के चार पहिया, तीन पहिया एवं दो पहिया वाहन सुभाष चौक से आष्टांग चिकित्सालय, सांकल तिराहा, सुनका चौराहा, मुशरान पार्क से होकर सिंहपुर तिराहा वाले मार्ग का उपयोग कर सकते है। कार्यक्रम के दौरान सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन के सामने वाली रोड पर यातायात का अत्याधिक दबाव रहेगा। जिससे होने वाली परेशानी से बचने के लिए आने- जाने वाले यात्रीगण रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए प्लेटफार्म नम्बर 2 का उपयोग करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बच सके। नरसिंहपुर शहर से प्लेटफार्म नम्बर दो पर जाने के? लिए बरगी ब्रिज से होकर एनएच 44 से होकर रोसरा ग्राम से होते हुए रेलवे प्लेटफार्म नम्बर दो पहुंचनें के मार्ग का उपयोग कर सकते हैं।

अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती उत्सव पर संगोष्ठी हुई

अमरवाड़ा। नगर मंडल के द्वारा राम मंदिर में अहिल्यादेवी होल्कर की जन्म जयंती उत्सव पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में एसके शर्मा रिटायर्ड शिक्षक सी एल विश्वकर्मा रिटायर शिक्षक प्रोफेसर शासकीय महाविद्यालय विजय गुर्वे जी के द्वारा मां अहिल्या देवी के जीवन और उनके सुशासन रोजगार मलक महिला सशक्तिकरण माता एवं बहनों के लिए कराए गए कार्य के संबंध में प्रकाश डाला गया मां अहिल्यादेवी होलकर के शासनकाल में सामाजिक समरसता संस्कृति की रक्षा धर्म की रक्षा मानव जीवन के कल्याण के बारे में किए गए करों का उल्लेख किया गया माता अहिल्या देवी होलकर शिव भक्त होने के नाते धर्म की विरासत को बरकरार रखते हुए जल जंगल जमीन कभी उचित संरक्षण संवर्धन पर प्रकाश डाला गया जिसमें मुख्य रूप से जिले के महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी पूर्व जिला महामंत्री उत्तम सिंह ठाकुर विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा भाजपा के वरिष्ठ नेता संतोष नेमा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र जैन, नवीन जैन बालकृष्ण साहू महामंत्री आशु चचड़ा, मुकेश सूर्यवंशी, पं. बसंत चौबे, संतोष पटेल, प्रवीण सक्सेना, डॉ दीपक श्रीवास्तव, महिला मोर्चा अध्यक्ष मनीषा बरमैया, अन्नू वर्मा, गणेश साहू, मंडल उपाध्यक्ष राजू सराठे, सोशल मीडिया प्रभारी सुदेश नागवंशी, कार्यालय मंत्री सुनील ठाकुर, बसंत साहू, मुकेश यादव, आशीष सूर्यवंशी, अतुल यादव, रामजी वर्मा, एवं सभी ज्येष्ठ व श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

उन्नत कृषि से बढ़ती समृद्धि

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आइए, जुड़िए मध्यप्रदेश की नई कृषि क्रांति से

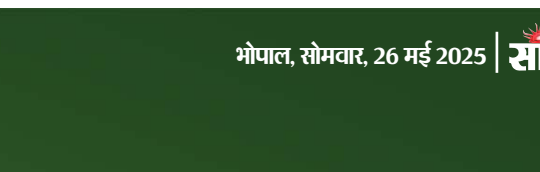

कृषि-उद्योग समागम 2025

एवं

खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों का सम्मेलन

26 से 28 मई 2025

मंगुभाई पटेल, राज्यपाल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि

जगदीप धनखड़

उपराष्ट्रपति, भारत

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

26 मई, 2025 | अपराह्न 12:15 बजे | नरसिंहपुर

मुख्य आकर्षण

- मुख्यमंत्री द्वारा हितलाभ वितरण और निवेशकों के साथ संवाद
- विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी
- नवीन कृषि तकनीकों, यंत्रों एवं ड्रोन्स का प्रदर्शन
- सूक्ष्म सिंचाई, संरक्षित खेती और बायो फर्टिलाइज़र की प्रदर्शनी
- खाद्य प्रसंस्करण, जैविक खेती और मत्स्य पालन एवं पशुपालन का प्रदर्शन
- राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा तकनीकी प्रदर्शनी
- एफपीओ, निर्यातक, स्टार्ट-अप्स की संगोष्ठी
- कृषकों द्वारा किए गए नवाचारों का प्रदर्शन
- कृषक सम्मेलन एवं विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

आकल्पना : म.प्र. जनसम्पर्क/2025

D-11028/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी